देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक–285 I सागर, बुधवार, 6 दिसम्बर 2023 I पृष्ठ –8 I मूल्य – 3.00 रुपए

पहले दिन हुई बालक के माता के गर्भ में आने के पूर्व की क्रियाये पृष्ठ 3

सकारात्मकता का पाठ सिखाते मोदी
इंडिया ब्लॉक को विधानसभा चुनाव नतीजों से उचित सबक लेना होगा पृष्ठ 4

गर्म कपड़ों की बिक्री न होने से हाथ पर हाथ धरे बैठे दुकानदार, छाई मंदी पृष्ठ 6

महाप्रसादी में हजारों भक्तों ने ग्रहण की, रात्रि में हुई श्री धीरज बावरा वृन्दावन की भजन संध्या पृष्ठ 8

सार-समाचार

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 30-35 बार बैठ चुकी है समिति : तोमर

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि कृषि उत्पादों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) देने को कानूनी अधिकार का दर्जा दिए की संस्तुतियां देने संबंधी समिति की कार्यवाही चल रही है पर अभी इसकी रिपोर्ट नहीं मिली हैं। तोमर ने लोकसभा में प्रश्न काल में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी के प्रश्न के उत्तर में बताया कि इसके लिए समिति बनाई गई थी जिसकी 30-35 बैठकें हो चुकी हैं और रिर्पोट की प्रतीक्षा है। उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार किसानों को उनकी उपज का सरकारी मूल्य कृषि लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत का मुनाफा जोड़कर निर्धारित किया जा रहा है।

संस्कृत संस्कृति की पहचान तथा प्रगति का आधार भी : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संस्कृत भाषा को देश की संस्कृति की पहचान तथा संवाहक बताते हुए आज कहा कि यह देश की प्रगति का भी आधार है। श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में कहा , संस्कृत हमारी संस्कृति की पहचान और संवाहक रही है। यह हमारे देश की प्रगति का आधार भी रही है। संस्कृत की व्याकरण इस भाषा को अद्वितीय वैज्ञानिक आधार देती है। यह मानवीय प्रतिभा की अनूठी उपलब्धि है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए।

राजस्थान की करनपुर सीट का 5 जनवरी को चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने राजस्थान विधानसभा के करनपुर निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव शुक्रवार पांच जनवरी 2024 को कराने की मंगलवार को घोषणा की। आयोग की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, करनपुर निर्वाचन क्षेत्र के लिए अधिसूचना 12 दिसंबर को जारी की जायेगी और नामांकन पत्र 19 दिसंबर गुरुवार तक जारी किए जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 20 दिसम्बर को की जाएगी और नामांकन पत्र 22 दिसंबर तक वापस लिए जा सकेंगे।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष की हत्या

जयपुर, एजेंसी। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की मंगलवार दोपहर जयपुर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उनके घर के बाहर उन पर फायरिंग की और फरार हो गए। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को मेट्रो मास अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस फायरिंग में अजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय अजीत गोगामेडी के साथ थे।

पीडीपी ने जम्मू-कश्मीर में किया संसदीय बोर्ड का गठन

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने मंगलवार को वरिष्ठ नेता मोहम्मद सरताज मदनी को अध्यक्ष नामित करके अपने संसदीय बोर्ड का गठन किया। पीडीपी के एक प्रवक्ता ने कहा कि बोर्ड के सदस्यों में वरिष्ठ नेता अब्दुल रहमान वीरी, अब्दुल हामिद चौधरी, महबूब बेग, गुलाम नबी लोन और अमरीक सिंह रीन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय बोर्ड को चुनावी और संसदीय निर्णयों की देखरेख, अभियानों के प्रबंधन, चुनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को संभालने वाले कार्यक्रमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि श्री मदनी की अध्यक्षता में बोर्ड अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी नेताओं के प्रदर्शन और अनुशासन संबंधी गतिविधियों की निगरानी करेगा, साथ ही संगठन के भीतर संसदीय मामलों को भी देखेगा।

असम में अपराध दर में काफी कमी आई है

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट ने असम में कुल अपराध में 2021 के बाद से करीब 50 प्रतिशत की कमी दिखाई है। सरमा ने कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, असम में प्रति लाख लोगों पर अपराध दर 2021 में 341 और 2022 में 194 थी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि नवीनतम एनसीआरबी रिपोर्ट से पता चलता है कि 2021 के बाद से असम में कुल अपराध लगभग 50 प्रतिशत कम हो गया है। पारदर्शी भर्ती और स्मार्ट पुलिसिंग में निवेश में हमारे प्रयास सफल हो रहे हैं। हम तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक असम अपराध मुक्त नहीं हो जाता।

सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं

आंध्र तट से टकराया मिचौंग तूफान, 12 की मौत

- 50 से ज्यादा उड़ाने व 100 से ज्यादा ट्रेनें हुई रद्द
- सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु पर

चेन्नई, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा तूफान मिचौंग मंगलवार दोपहर आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। मौसम विभाग के मुताबिक दोपहर ठीक 1 बजे तूफान बापटला में नेल्लोर-मछलीपट्टनम के बीच लैंडफॉल कर गया। लैंडफॉल के दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। अभी भी तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। तूफान अगले दो घंटे में कमजोर होकर आगे बढ़ जाएगा। तूफान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में है। दोनों राज्यों में 100 से ज्यादा ट्रेनें और 50 से ज्यादा उड़ाने कर दी गई हैं। आंध्र प्रदेश के कोस्टल एरिया से 9 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया। तमिलनाडु में तूफान की वजह से रविवार से भारी बारिश हो रही है। तमिलनाडु के मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में 2 दिनों के भीतर 3 महीने की बारिश हो गई है। चेन्नई शहर बारिश की वजह से डूब चुका है। 12 लोगों की मौत हो चुकी है।

जलमग्न हुआ चेन्नई शहर

मिचौंग तूफान का असर तमिलनाडु पर सबसे ज्यादा रहा। 3 दिसंबर सुबह से अब तक चेन्नई में करीब 400-500 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। तमिलनाडु के वाटर सप्लाई मिनिस्टर के मुताबिक, शहर में 70-80 साल में पहली बार ऐसी बारिश हुई है। राज्य में एनडीआरएफ की 7 टीमें तैनात की गई हैं। इसके अलावा कोस्टल रीजन में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

कांग्रेस ने किया अधिकारिक ऐलान

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना के नए मुख्यमंत्री

- पार्टी विधायक दल के नेता चुने गए
- 7 को लेंगे शपथ, राहुल भी शामिल होंगे

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के अगले मुख्यमंत्री प्रदेश अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी होंगे। रेड्डी का शपथ ग्रहण समारोह 7 दिसंबर को होगा। इसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कई नेता मौजूद रहेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मंगलवार को कहा कि रेवंत रेड्डी पार्टी विधायक दल के नेता चुने गए हैं। उन्होंने पार्टी की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा, 'कांग्रेस विधायक दल की बैठक हैदराबाद में हुई। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सहित अन्य नेता मीटिंग में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण, सर्दी से बचाव के इंतजाम देखे

रैन बसेरों में रहने वाले नागरिकों की सेहत की होगी जांच

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राजधानी के दो रैन बसेरों में नागरिकों के लिए किए गए प्रबंधों का जायजा लिया। उन्होंने आज रात्रि पहले यादगार ए शाहजहांनी पार्क के पास स्थित रैन बसेरे पहुँचकर वहाँ की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ रह रहे नागरिकों से रहवास व्यवस्था और सर्दी से बचाव के लिए गरम कपड़ों की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। रैन बसेरा पहुँचने पर वहाँ के रहवासियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का मामा-मामा कह कर हर्ष-ध्वनि से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल शहर सहित प्रदेश के अन्य नगरों के रैन बसेरों में रह रहे नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था होगी। बड़े शहरों में कार्य के लिए आने वाले नागरिक दिन में व्यस्त रहते हैं इसलिए रात्रि के समय डॉक्टर्स टीम स्वास्थ्य परीक्षण के लिए आएगी। सामान्य रोगों सहित गंभीर रोगों की पहचान होने पर उपचार की व्यवस्था जरूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रैन बसेरे के निकट अलाव और लकड़ियों का प्रबंध कर नागरिकों को शीत से बचाने की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। भोपाल कलेक्टर आशीष सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

गरम कपड़ों और भोजन व्यवस्था की जानकारी ली

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने हमीदिया चिकित्सालय परिसर में स्थित रैन बसेरे का अवलोकन किया और नागरिकों के लिए बिस्तर, गरम कपड़ों और भोजन की व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों से बातचीत भी की। नरसिंहपुर जिले के श्री दलपत सिंह यादव और भोपाल के सोनू ने बताया कि उन्हें रैन बसेरे में जरूरी सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं। हमीदिया अस्पताल के इस रैन बसेरे में प्रेरणा सेवा ट्रस्ट से भी भोजन व्यवस्था में सहयोग प्राप्त होता है। कुल 66 बिस्तर क्षमता के रैन बसेरे में आज 23 नागरिक व्यवस्थाओं का लाभ ले रहे हैं।

इनसे की चर्चा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सागर के भूपेंद्र साहू, होशंगाबाद के दशरथ प्रसाद, जबलपुर के दीपक, भोपाल के सुरेंद्र शर्मा और ललितपुर (उत्तरप्रदेश) के बाबूलाल कुशवाहा से चर्चा कर इंतजामों की जानकारी ली। यहां मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नागरिकों को उपलब्ध करवाए जा रहे भोजन को चख कर, गुणवत्ता भी देखी। रैन बसेरे में करीब 400 बिस्तर क्षमता है। आज यहाँ लगभग 200 नागरिक रह रहे हैं।

मध्यप्रदेश को लेकर सरमिंयां तेज , शाह और नड्डा से मिले वी डी शर्मा

दिल्ली में डटे मुख्यमंत्री पद के दावेदार

भोपाल, नई दिल्ली, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में भाजपा की जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के ज्यादातर दावेदार दिल्ली में जा डटे हैं। हालांकि संसद सत्र भी दिल्ली में दावेदारों के डटे रहने की एक वजह है, लेकिन ज्यादातर उत्सुकता यही है कि मध्यप्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पद के लिए स्वाभाविक और प्रबल दावेदार हैं, वहीं विधानसभा चुनाव में उतरे केन्द्रीय मंत्री और सांसदों में से अधिकांश मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल हैं।

केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनाव नतीजे के बाद शाम को ही दिल्ली रवाना हो गए थे। वहीं प्रह्लाद पटेल भी दो दिन से दिल्ली में ही हैं। बताया जाता है कि इन नेताओं ने पार्टी के प्रमुख रणनीतिकार एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की है। इसी बीच आज प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने भी दिल्ली में इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा की। समझा जा रहा है कि इस मेल-मुलाकात में प्रदेश के भावी नेतृत्व को लेकर मंथन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री पद को लेकर 2 राय उभरी हैं। एक राय यह है कि शिवराज को ही बनाना चाहिए कि उनकी लाड़ली बहना योजना की वजह से जबर्दस्त जीत मिली है। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधियां ने भी प्रदेश में बड़ी जीत की वजह लाड़ली बहना योजना को माना है। वहीं इससे इतर जबकि कैलाश विजयवर्गीय का मानना है कि मोदी मैजिक की वजह से यह सफलता मिली, क्योंकि लाड़ली लक्ष्मी योजना छग और राजस्थान में लागू नहीं है। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई है। इसके बाद शाह और नड्डा की मुलाकात भी हो चुकी है। प्रदेश के नेताओं से मुलाकात के बाद अब अगले 2-3 दिन में किया मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रह्लाद पटेल, भाजपा महासचिव कैलाश विजय वर्गीय और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और सांसद विष्णुदत्त शर्मा प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री पद के दावेदार माने जाते हैं।

शिवराज का बड़ा बयान, कहा- मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं

मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा, कल छिंदवाड़ा जाऊंगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा है कि वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं है। मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा, कल बुधवार को छिंदवाड़ा जा रहा हूं। वहां हम विधानसभा की 7 में से एक भी सीट नहीं जीत पाए। हम चाहते हैं कि इस बार राज्य के सभी 29 लोकसभा सीटों पर भाजपा की विजय हो और हम यह सभी सीटें पार्टी की झोली में डालकर नरेन्द्र मोदी जी को एक बार फिर प्रधानमंत्री बनाएं। उनके इस बयान ने सियासी तौर पर हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा है कि मैं मुख्यमंत्री की रेस में नहीं हूं, मैं न पहले मुख्यमंत्री पद का दावेदार था, न अब हूं। मैं सिर्फ पार्टी का कार्यकर्ता हूं और पार्टी जो भी पद या जिम्मेदारी देगी, मैं उसे निभाऊंगा। इस वीडियो में श्री चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना बताया और कहा है कि जो भी काम दिया जाएगा उसे अच्छी तरह से किया जाएगा।

राज्यपाल से मिले निर्वाचन आयोग के पदाधिकारी

नवनिर्वाचित विधायकों की सूची सौंपी

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन और भारत निर्वाचन आयोग के सचिव अमित कुमार ने राजभवन में आज भेंट की। राज्यपाल श्री पटेल को अधिकारी द्वय द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के नवनिर्वाचित विधायकों की अधिसूचना सौपी गई। राज्यपाल मंगुभाई पटेल का आयोग के पदाधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया। श्री पटेल को आयोग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर

राज्यपाल के प्रमुख सचिव डी.पी. आहूजा, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल, भारत निर्वाचन आयोग के अवर सचिव प्रफुल्ल अवस्थी, अधिकारी और पदाधिकारीगण मौजूद थे।

बोरवेल में गिरी बच्ची, युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू

राजगढ़, देशबन्धु। राजगढ़ जिले के एक खुले बोरवेल में 4 साल की मासूम बच्ची गड्ढे में गिर गई, जो भीतर जाकर फंस गई। मासूम को बोरवेल से निकालने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। घटना स्थल पर बचाव के लिए एडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी घटना पर संज्ञान लिया है। और अधिकारियों को समुचित निर्देश दिए।

राजगढ़ के बोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पिपलिया रसोड़ा गांव में एक 4 साल की बालिका एक खुले बोर में गिर गई है। घटना

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से ली जानकारी

की खबर मिलते ही जिला मुख्यालय से एसडीईआरएफ की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। जबकि भोपाल से भी इसके लिए एसडीआरएफ की टीम रवाना हो गई। बोरवेल के भीतर से बच्ची के रोने की आवाज आ रही है। घटना के बारे में शुरुआती जानकारी सामने आई है कि बोरवेल में फंसी बच्ची का नाम माही है। वह पटाड़िया गांव की रहने वाली है। बच्ची अपने पिता रवि के साथ अपने मामा इंदर सिंह के घर पिपल्या रसोड़ा आई थी। यहां खेत में खेलते-खेलते वह बोर में गिर गई। फिलहाल बच्ची को बचाने के लिए तमाम प्रयास किस जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी व केन्या के राष्ट्रपति ने की बैठक

भारत व केन्या वन संरक्षण के क्षेत्र में करेंगे सहयोग

राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ पर लिया संकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत एवं केन्या ने अपने राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर पर्यावरण एवं वन संपदा के संरक्षण तथा स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मिल कर काम करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्या के राष्ट्रपति विलियम सामोई रूतो के साथ यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये संकल्प लिए गए।

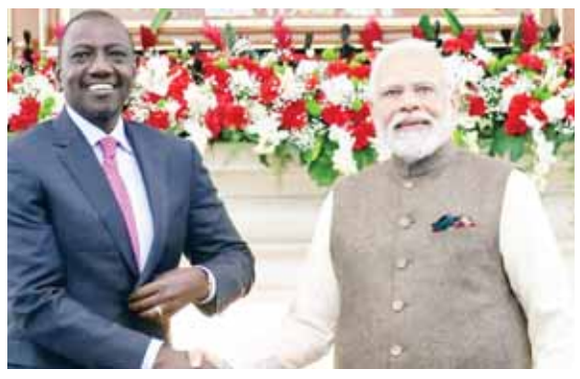

दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। श्री मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की विदेश नीति में अफ्रीका को हमेशा उच्च प्राथमिकता का स्थान दिया गया है। पिछले लगभग एक दशक में हमने मिशन मोड में अफ्रीका के साथ अपना सहयोग बढ़ाया है। इस वर्ष हम भारत और केन्या के राजनयिक संबंधों की साठवीं वर्षगांठ मना रहे हैं, किन्तु हमारे संबंधों का हजारों वर्ष पुराना इतिहास है। उन्होंने कहा कि भारत और केन्या के बीच आपसी व्यापार और निवेश में लगातार प्रगति हो रही है। हमारे आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए हम नए अवसरों की तलाश जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, भारत एवं केन्या, दो कृषि प्रधान अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, हम अपने अनुभव साझा करने पर सहमत हुए हैं। केन्या के कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए, हम 25 करोड़ डॉलर का ऋण प्रदान करने पर सहमत हुए हैं।

पहले दिन हुई बालक के माता के गर्भ में आने के पूर्व की क्रियाये

घटयात्रा और ध्वजारोहण के साथ पंचकल्याणक शुरू

शाहगढ़, देशबन्धु। नेनागिरि सिद्ध भूमि पर हों रहें पंचकल्याणक महोत्सव में मंगलवार को गोद भराई की रस्म हुई और मंगल गीत गाए गए, महोत्सव में श्रद्धा भक्ति और आस्था के साथ आचार्य विराग सागर 35 पिछि ससंघ सानिध्य में अनुष्ठान हो रहे हैं। गर्भ कल्याणक की आराधना के साथ 24 तीर्थंकर भगवान की माता की गोद भराई की रस्म हुई। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। बुधबार को प्रभु के जन्म की खुशियां मनाई जाएंगी। महोत्सव में आचार्य विराग सागर ने कहा प्रभु की भक्ति वही कर सकता है जिसका मस्तक जगत के प्रति एकत्व होगा जब तक जगत के प्रति मैत्री स्थापित नहीं कर पाओगे। प्रभु को नहीं पा पाओगे। किसी को किसी प्रकार से दुख नहीं देना मैत्री है। जगत में अपनी पहचान बनाने वाले कभी भी मैत्री स्थापित नहीं कर पाएंगे। मोक्ष मार्ग ईमानदार लोगों का है। बेईमानों का नहीं है। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

मंडप शुद्धि एवं मंगल कलश स्थापित

महोत्सव में मंडप शुद्धि के बाद आचार्य विराग सागर के सानिध्य में मंडप का उद्घाटन हुआ। मंगल कलश की स्थापना के बाद इंद्र प्रतिष्ठा व नांदी विधान हुआ। रात गर्भ कल्याणक के पूर्व रूप की क्रियाएं हुईं, इनमें सौधर्म इंद्र की सभा हुई। धनपति कुबेर ने रत्नों की वर्षा की। माता त्रिशला को 16 स्वप्न दिखाई दिए। अष्टकुमारियों ने माता की सेवा की।

मुख्यमंत्री से मिलें विधायक और जिला अध्यक्ष बंपर जीत की बधाई दी

सागर, देशबन्धु। मप्र विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली बंपर जीत के बाद सागर से चौथी बार विधायक बने शैलेंद्र जैन और जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बधाई दी। इस दौरान मुख्यमंत्री से लगभग आधा घंटे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

संत जहां से जाते हैं वहां सूना सूना और जहां पर जाते हैं वहां सोना सोना हो जाता है: मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। बहुत दूर जाना पड़ता है यह जानने के लिए की मेरे नजदीक कौन है। संत को दीवारों में नहीं, दिल में बसाओ। संत जहां से जाते हैं वहां सूना सूना और जहां पर जाते हैं वहां सोना सोना हो जाता है। संत को छोड़ देना पर संत की सीख याद रखना। आना जाना तो लगा रहता है संयोग वियोग, हर्ष विषाद, सुख-दुख जीवन में लगा हुआ है। संतों से श्रावक राग करता है तो संसार से पार हो जाता है यह उद्गार मुनिश्री सुदत्तसागर ने पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर अंकुर कॉलोनी में व्यक्त किये, मुनिश्री ने कहा संत को दीवारों में सजाओगे तो तुम्हारे बीच से चले जाएंगे और यदि हृदय में बसाओगे तो तुम्हारे भीतर हमेशा विद्यमान रहेंगे। क्षुल्लक श्री चंद्र दत्त सागर ने कहा संत जा रहे हैं, हमेशा संतो को लेने जाना और छोड़ने अवश्य जाना और संत रुके तो ज्ञान का लाभ लेना, सेवा करना, अपना कर्तव्य निभाना। संत के आने जाने के बीच में जो संत सीख देते हैं उसे याद रखना, वही संतों की शिक्षा तुम्हारे कल्याण का कारण बनेगी। नदी बहती रहती है तो स्वच्छ रहती है और तालाब का पानी स्थिर रहता है तो गंदा वा सड जाता है वैसे ही संत विहार गमन करते रहते हैं, एक स्थान पर स्थिर नहीं रहते। मंगलाचरण अनु एवं मनोज जैन लालो ने किया। उड़ चला पंछी रे हरी भरी डाल से, तुम जैसा कहीं और हमें गुरुवर न मिलेगा, श्रद्धालुओं ने नम आंखों से भजन बोलकर अपार श्रद्धा भक्ति से मुनि संघ के सभी भजन के लिए लालायित थे। मंदिर कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन, चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष कमलेश चौधरी, केसी जैन कुंडलपुर, संतोष स्टील ने भी चातुर्मास पर अपने विचार रखें। मुनि संघ का मंगल विहार श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर अंकुर कॉलोनी से श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बडकुल विजय टॉकीज चौराहा के लिए हुआ।

कैंसर बीमारी का पता लगते ही तुरंत इलाज लें स्वास्थ्य विभाग की सलाह

सागर, देशबन्धु। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन को कहा है कि कैंसर जैसी बीमारी का पता लगते ही तुरंत इलाज लें। मानव शरीर कई अनगिनत कोशिकाओं से बना है, इन कोशिकाओं में निरंतर विभाजन होता रहता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है। इस पर शरीर का पूरा नियंत्रण रहता है, लेकिन कभी-कभी जब शरीर के किसी विशेष अंग की कोशिकाओं पर शरीर का नियंत्रण बिगड़ जाता है और कोशिकायें बेहिसाब तरीके से बढ़ने लगती है, उसे कैंसर कहते है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि मानव कोशिकाओं के जीन में परिवर्तन होने लगता है, तब कैंसर की शुरूआत होती है। यह स्वयं ही बदल सकते है या दूसरे कारण जैसे गुटखा, तम्बाकू आदि नशीली चीजें खाने से अल्ट्रावॉलेट रेडिएयेशन आदि ज्यादातर देखा गया है। जो कैंसर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यून सिस्टम की कोशिकाओं को समाप्त कर देता है, जिससे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी हो जाती है। कैंसर कई प्रकार का हो सकता है, जिसमें ब्लड कैंसर, फैकड़ों का कैंसर, ब्रेन कैंसर, स्तन कैंसर आदि होने की संभावना होती है तथा डॉक्टरों से अपना शारीरिक चैकअप कराते रहना चाहिये। जिससे कैंसर जैसी बीमारी का पता लगते ही समय पर इलाज हो सके।

विद्यालय के चहुमुखी विकास व उत्थान के लिए जो भी बनेगा प्रयास करूंगा: वीरेन्द्र सिंह

बण्डा, देशबन्धु। अपने जीवन के महत्वपूर्ण 25 वर्ष इस विद्यालय को स्थापित करने में दिए और भविष्य में विद्यालय के चहूमुखी विकास व उत्थान के लिए जो भी बनेगा में अधिक से अधिक करने का प्रयास करूंगा। उक्त बात बण्डा विधानसभा क्षेत्र के नव निर्वाचित विधायक वीरेन्द्र सिंह लम्बरदार ने शासकीय नवीन कन्या माध्यमिक शाला के शिक्षिको द्वारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त की। विधायक वीरेन्द्र लम्बरदार ने विधानसभा को अपना संयुक्त परिवार बताते हुए एक माडल विधानसभा बनाने की बात कही। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य नरेश मिश्रा, देवेन्द्र ठाकुर, राजेन्द्र खरे, अमिता जैन, निर्मला राय, कौशल्या यादव, सुनीता सोनी, रामकुमार राठौर सहित अनेक नागरिक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार राज्य शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष डीसी राय ने माना।

सागर, देशबन्धु। भोपाल के होटल में सागर के पत्रकार हरी चौबे की नातिन अष्टी शर्मा को जन्मदिन की बधाई देने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं साधना सिंह पहुंचे।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड. 2023 मिलेगा

मीडिया संस्थान 10 दिसम्बर तक प्रस्ताव भेज सकेंगे, चार श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कार

सागर, देशबन्धु। मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड. 2023 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड. 2023 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को यह पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक रेडियो मीडिया और ऑनलाइन इंटरनेट सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष 2023 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। प्रस्ताव ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों ही प्रकार से भेजे जा सकते हैं। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे। नेशनल मीडिया अवार्ड. 2023 से संबंधित विस्तृत विवरण मेमोरेण्डम कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र की वेबसाइट और जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

विजय जलूस निकालकर जनता का आभार व्यक्त किया

मालथौन, देशबन्धु। खुरई विधानसभा से मंत्री भूपेन्द्र सिंह तीसरे बार विधायक निर्वाचित हुए, इस बार ऐतिहासिक जीत हुई। मंगलवार को मंत्री प्रतिनिधि अशोक सिंह बामोरा सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ अमझरा सरकार के दरबार में पहुंचकर हनुमानजी को प्रसाद, ध्वजा चढ़ाकर पूजा अर्चना की। इस के पश्चात मालथौन पहुचकर नगर में विजय जलूस निकालकर जनता का आभार जताया। इस दौरान घर घर लोगो ने पुष्पहार पहनाकर अभिनन्दन किया। बस स्टैंड परिसर में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक एकत्रित हुए वहा से विजय जलूस प्रमुख रास्ते से हनुमान फाटक, राधा कृष्ण मंदिर होते नया बाजार से सिद्ध शक्ति पीठ महाकाली मंदिर पहुंचकर अशोक सिंह ने मातारानी के दर्शन कर प्रसाद चढ़ाया। इसके उपरांत संबोधित करते हुए अशोक सिंह ने कहा कि विकास और जनता की जीत हैं सभी का आभार व्यक्त किया।

महापौर प्रतिनिधि ने सिविल लाईन वार्ड में निर्माण एवं साफ सफाई कार्य निरीक्षण किया

सागर, देशबन्धु। महापौर प्रतिनिधि सुशील तिवारी ने सिविल लाइन वार्ड में विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर निर्माण एवं साफ सफाई कार्य का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि वसीम खान, पप्पू हजारी, अजीम खान, राजेश तिवारी, गणेश ठाकुर, राजेश तिवारी, सूर्यकांत पाठक, रिजवान खान, सफाई दरोगा एवं इंजी. बबलेश साहू सहित वार्ड के नागरिक उपस्थित रहे।

मूंगफली गुड़ पट्टी विक्रय दुकानों का किया निरीक्षण

दमोह, देशबन्धु। डीओ खाद्य सुरक्षा प्रशासन राकेश अहिरवाल के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी माधवी बुधौलिया ने शहर में निरीक्षण कार्यवाही करते हुए मूंगफली गुड़ पट्टी के नमूनें जांच हेतु लिए। कार्यवाही में दमोह शहर में महावीर वार्ड स्थित स्वेता मूंगफली गुड़ पट्टी सेंटर का निरीक्षण किया। मौके पर विक्रय हो रहे मूंगफली गुड़ पट्टी के नमूनें जांच हेतु लिए। उक्त खाद्य पदार्थों के नमूनों को गुणवत्ता जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर इस संबंध में नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

गुलाब बाबा की पालकी यात्रा का फूल वर्षा कर स्वागत किया

सागर, देशबन्धु। श्री बालाजी प्रभात जन सेवा समिति द्वारा संत गुलाब बाबा की पालकी चरण पादुका यात्रा में समिति द्वारा भव्य स्वागत किया, खीर का भोग लगाया और हजारों श्रद्धालु को प्रसादी वितरित की और जल सेवा की, रामेश्वर फोटोग्राफर ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुलाब बाबा पालकी यात्रा में समिति द्वारा सभी ने स्वागत किया प्रसादी वितरित की और पानी पिला कर श्रद्धालुओं की प्यास बुझाई। कार्यक्रम में अतिथियों एवं नये सदस्यों का सम्मान किया। पालकी यात्रा के गुरु जी ने कहा कि समिति का यह सेवा कार्य बहुत नेक है बहुत पहले से करते आ रहे ऐसे ही करते रहे। इस मौके पर शैलेन्द्र पटेल, राजेश फुसकेले, उमाशंकर रैकवार, चंदू कोरी, चंदन रैकवार, माधव प्रसाद, राजकुमारी पवार आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस मनाया

सागर, देशबन्धु। अधिवक्ता संघ सागर के सचिव राजू सराफ द्वारा बताया गया कि जिला अधिवक्ता संघ सागर द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायाधीश गण द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया एवं कार्यक्रम का मंच संचालन एड. रामदास राज ने किया। तत्पश्चात कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं का साल श्रीफल प्रमाण पत्र से स्वागत सम्मान किया गया। अधिवक्ता और अधिवक्ता म्यूजिकल ग्रुप द्वारा आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में अन्य अधिवक्ताओ द्वारा भी प्रस्तुति दी गई। अधिवक्ता दिवस पर उपस्थित अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अंकलेश्वर दुबे, एड. उपाध्यक्ष रामदास राज, सचिव राजू सराफ, कोषाध्यक्ष केके दुबे, पुस्तकालय अध्यक्ष गोपाल तिवारी, सचिव संदीप चौबे, महिला कार्यकारिणी सदस्य किरण बाला पाठक, पुरस्कार का सदस्य संजय सेन, शशांक शुक्ला, वीरेंद्र तिवारी, राम रावत आदि उपस्थित थे।

बंडा में पानी, शाहगढ़ की लांच नदी परियोजना, साइंस विषय, बरायथा में कालेज और क्षेत्र का विकास ही प्राथमिकता: वीरेंद्र सिंह

शाहगढ़, देशबन्धु। बंडा विधानसभा क्षेत्र से प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज कर शिक्षक से विधायक बने वीरेंद्र सिंह लंबरदार में सभी क्षेत्रवासियों का आभार जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सबका साथ, सबका विकास तथा सबका विश्वास के साथ मैं काम करुंगा। प्रेस वार्ता में नव निर्वाचित विधायक ने कहा कि बहुप्रतीक्षित शाहगढ़ की लांच नदी परियोजना, बंडा में पानी की समस्या को दूर करने के अलावा शाहगढ़ कॉलेज में साइंस विषय और बरायठा में कॉलेज खोले जाने संबंधी महत्वपूर्ण कार्य को पहले ही चरण में ही पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि क्षेत्र की अलग अलग समस्याये तथा लोगो की अपेक्षाये हैं। कही बिजली, कही सड़क, कही पेयजल, कही स्वास्थ्य सुविधाएं सहित अनेक समस्याएं हैं जिन्हें दूर किया जाएगा, कहा कि लोगो की अपेक्षाएं बहुत हैं, महत्त्वपूर्ण कार्य प्राथमिकता के आधार पर सभी कार्यों को पूरा किया जाएगा। समूची विधानसभा एक परिवार की तरह है, कंधे से कंधा मिलाकर क्षेत्र के विकास में नया इतिहास रचा जाएगा, समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे, इसके लिए हमेशा प्रयासरत रहूंगा। क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करुंगा।

नही टूटा देवरी विधानसभा का वर्षो पुराना मिथक

गौरझामर, देशबन्धु। सागर जिला की हॉट सीट देवरी विधानसभा का गत 40 वर्ष से चला आ रहा मिथक 2023 में कांग्रेस विधायक भी नही तोड़ पाये दरअसल यहां दो टर्म या यू कहे दस वर्ष बीजेपी तो दस वर्ष कांग्रेस सत्ता में काबिज रही है। दरअसल बीजेपी सरकार से पूर्व मंत्री परशुराम साहू लगातार दो बार विधायक रहे वही 1993 और 1998 में सुनील जैन और बृज बिहारी पटेरिया कांग्रेस तो वही 2003 और 2008 में रतन सिंह सिलारपुर और भानू राणा बीजेपी से चुने गए। वही अगली बारी कांग्रेस की थी और 2013 और 2018 में कांग्रेस से हर्ष यादव चुने गए इतिहास अनुसार बारी बीजेपी की थी जिसके उम्मीदवार बृजबिहारी पटैरिया ने देवरी विधानसभा के इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

बेतवा नदी में हो रहा अवैध रेत उत्खनन

बीना, देशबन्धु। क्षेत्र में अवैध उत्खनन का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी प्रशासन को न हो। प्रशासन भी इन पर कार्रवाई करने से बचता हुआ नजर आ रहा है। भानगढ़ थाना क्षेत्र के लखाहर घाट पर अवैध रेत के कारोबारी बोट डालकर रेत निकालकर बेच रहे हैं। रेत के अवैध परिवहन को ना तो पुलिस और न ही खनिज विभाग की टीम रोकने में सफल हो सकी है। रेत के अवैध उत्खनन का कारोबार बे-खौफ होकर रेत माफिया कर रहे हैं। पुलिस और खनिज विभाग की टीम की पकड़ से दूर रेत माफिया बेतवा नदी से रेत निकालकर कमाई करने में जुटे हुए हैं, लेकिन अब तक पुलिस व खनिज विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। खनिज विभाग भी नदी से निकल रही अवैध रेत को रोकने में असफल दिखाई दे रहा है। नियमों को दरकिनार करते हुए बेतवा नदी से निकाली जा रही रेत कई जगहों पर डंप की जा रही है। सुबह से देर रात तक लोग कई चक्कर ट्रैक्टर-ट्राली से रेत का परिवहन करने में लगे हुए हैं।

मंदिर से भगवान के गहने चोरी

सागर, देशबन्धु। ग्राम चंदौला में रामजानकी रमण मंदिर में बदमाशों ने सेंध लगाई। बदमाश मंदिर का ताला तोड़कर अंदर घुसे और भगवान के गहने लेकर भाग गए। वारदात सामने आते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार मंदिर के प्रधान पुजारी ने थाने आकर शिकायत की। शिकायत में बताया कि वे रोजाना की तरह रात करीब 10 बजे मंदिर बंद करके अपने घर चले गए थे। घर मंदिर के बाजू में है। सुबह 7 बजे पिता जगन्नाथ तिवारी मंदिर खोलने गए तो वारदात सामने आई। मंदिर का ताला टूटा है। अंदर जाकर देखा तो मंदिर के सामने गर्भगृह में सामान बिखरा पड़ा था। भगवान के गहने गायब थे। वारदात के दौरान चोर मंदिर से 2 जोड़ी पुराने चांदी के मुकुट, 1 जोड़ी रामदरबार का सेट, सोने की एक माला, सोने की चूड़ी, कमर का एक चांदी का डोरा, 2 जोड़ी पायल, 3 तिलक सोने के, 10 जोड़ी बिछिया, 3 छत्र चांदी के, चांदी का धनुष बाण समेत अन्य सामान लेकर भागे हैं। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वारदातस्थल से आरोपियों से जुड़े साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस मामले में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कल सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों से वीसी पर करेंगे चर्चा

सागर, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन कल गुरूवार 7 दिसम्बर को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी 52 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा करेंगे। श्री राजन विधानसभा निर्वाचन के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर अधिकारियों से जिलों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये किये गये नवाचारों, बेस्ट प्रेक्टिसेस, स्वीप गतिविधियों पर चर्चा के अलावा उनके अनुभव भी सुनेंगे, जिससे नवाचारों का लोकसभा निर्वाचन के लिये उपयोग किया जा सके।

सार समाचार

उर्वरक सुगमता से वितरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर मंगलवार को जिले में खाद के सुगमता से वितरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम के माध्यम से किसानों को उर्वरक उपलब्धता की सूचना भी मिलेगी। साथ ही दूरभाष नम्बर 07682-796541 पर सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे के मध्य कॉल करने पर उर्वरक संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाएगा। डीडीए डॉ. बीपी सूत्रकार ने बताया कि कंट्रोल रूम का प्रभारी अशोक सिंह, सहायक अधिकारी एसके मिश्रा को नियुक्त किया गया है। तीन सहायक के रूप में राहुल तिवारी, नेहा शुक्ला और केके चौरसिया की ड्यूटी लगाई गई है।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, एक मृत

बमीठा, देशबन्धु। एनएच 39 पर स्थित बागेश्वर धाम गढ़ा तिगैला के पास एक तेज रफ्तार इंडिका कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई है। इंडिका कार का नम्बर एमपी 35 सीए 0656 बताया गया हूं। इस कार में पांच लोग सवार थे, जिसमें से एक की मौत हो गई है। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतक के शव सहित घायलों को एनएचएआई की एम्बुलेंस ने जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां शव का पोस्टमार्टम किया गया। सभी घायलों का इलाज किया जा रहा है।

हाईकोर्ट के आदेश पर प्रदेश के नर्सिंग कालेज घोटाले की जांच का मामला गर्माया

सीबीआई टीम ने एसवीएन कालेज में मारा छापा, दस्तावेज खंगाले

छतरपुर, देशबन्धु। मंगलवार को सुबह सीबीआई की 20 सदस्यीय टीम ने चौबे कालोनी में स्थित स्वामी विवेकानंद कालेज पहुंचकर नर्सिंग कालेज घोटाले की जांच शुरू कर दी है।

सीबीआई की टीम के कालेज में पहुंचते ही वहां हडकंप मच गया। टीम ने कालेज में मौजूद छात्रों और स्टाफ सहित फैकल्टी के सदस्यों को अंदर ही रोक लिया। कालेज प्रबंधन ने कालेज का मेनगेट को बंद कर दिया। सूत्रों की माने तो अंदर सीबीआई टीम ने कालेज के सभी दस्तावेजों को मंगाकर जांच शुरू कर दी। फैकल्टी से पूंछतांछ की गई, भवन का मुआयना किया, नर्सिंग कालेज की स्वीकृति को देखा, संसाधनों, सुविधाओं और अन्य मानकों के बारे में गहराई से पड़ताल की। इस दौरान टीम के सदस्य न बाहर आये न किसी से कोई बातचीत की। सबकुछ बेहद गुप्त तरीके से कालेज के अंदर चलता रहा। काफी देर तक टीम ने न किसी को अंदर आने दिया न कोई बाहर जा सका।

यहां बता दें कि 2020 में ये घोटाला सामने आया था। जिसमें छतरपुर, टीकमगढ, पन्ना, भोपाल, इंदौर, बालाघाट, बडवानी, बैतूल, नर्मदापुरम, धार, खरगौन, विदिशा, सीहोर, सिवनी, शहडोल, सिवनी सहित कई अन्य जिलों में मानकों के विपरीत संचालित नर्सिंग कालेजों की जांच के लिये हाईकोर्ट ने सीबीआई को जांच के आदेश दिये हैं।

मानकों को परखे बिना काउंसिल ने दी मंजूरी

जानकारी के अनुसार 2020 में स्टेट नर्सिंग काउंसिल ने छतरपुर जिले सहित कई जिलों में नर्सिंग कालेज खोलने के लिये नियमविरूद्व तरीके से पंजीयन किये गये थे। इनमें से कई कालेज किराये के एक कमरे में चल रहे हैं। कई कालेज किसी अस्पताल से संबद्व नहीं हैं। दिल्ली, यूपी, हरियाणा शट की अन्य प्रदेशों की करीब 3 हजार फैकल्टी को केवल कागजों के आधार पर मान्यता दे दी गई। इनमें से 600 फैकल्टी तो ऐसी हैं जिनके माइग्रेशन या रजिस्ट्रेशन नंबर को कई तरीकों से बदलकर एक से ज्यादा बार इस्तेमाल किया गया। 2022 से प्रदेश के करीब 55 कालेजों में गडबडी पाई गई, इनमें से कई कालेज केवल मोटी फीस लेकर बिना पढाई या प्रायोगिक पढाई के डिग्री बांट रहे थे। ये मामला उजागर होने पर प्रकरण हाईकोर्ट में पहुंच गया। हाईकोर्ट ने इस बडे घोटाले की जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंप दी है। इसी के तहत छतरपुर के एसवीएन कालेज में सीबीआई टीम ने छापा मारकर जांच शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक टीम जांच में जुटी हुई है।

एक सैकड़ा सफाईकर्मी फिर भी नगर में लगा रहता है कचरा का ढेर

पार्षद ने लगाया आरोप, सफाई प्रभारी पर हाजिरी रजिस्टर में फर्जीवाड़ा

नौगांव/छतरपुर, देशबन्धु। नगर पालिका में पदस्थ सफाई प्रभारी पर एक पार्षद के द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप लगाये और सफाई व्यवस्था सही न होने के आरोप लगाये। हालांकि दो माह से चुनाव की ड्यूटी अधिकारी ओर कर्मचारी कर रहे थे जिसके चलते सफाई व्यवस्था पटरी से उतरी और इसका सबसे बड़ा कारण ड्यूटी लगाने के बाद मॉनीटिरिंग का है। पार्षद का आरोप है सफाई प्रभारी हाजिरी रजिस्ट्रर में भी झोल करते है।

वार्ड क्रमांक 8 पार्षद ताहिर मंसूरी ने नगर पालिका सफाई प्रभारी संतोष तिवारी पर सफाई व्यवस्था दुरस्त न होने पर और नगर में जगह जगह कचरे के ढेर लगे होने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये। उनका कहना था नगर पालिका में लगभग 100 सफाई कर्मचारी है लेकिन नगर के मुख्य चौराहो सहित वार्डो की सफाई व्यवस्था सुधर नहीं रहती है उनका आरोप है कि सफाई कर्मचारी के वेतन पर भी भ्रष्टाचार होता है और कई बार गैर हाजिर रहने वाले सफाई कर्मचारी की हाजिरी लगा दी जाती है। सुबह दोपहर सफाई कर्मचारी की हाजिरी दर्ज की जाती है जो कर्मचारी गैर हाजिर रहता रजिस्टर में उसकी हाजिरी का कालम छोड दिया जाता है जबकी नियमानुसार कॉलम को खाली न छोड़ते हुये। गैर हाजिरी लगा दी जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर नगर में फैले कचरे पर सवाल खड़े किये गये कि आखिर यह क्यों नहीं उठते।

हाजिरी रजिस्टर मंगाया गया है

वार्ड नं 8 के पार्षद के द्वारा जो आरोप लगाये गये वह निराधार है अनुपस्थित रहने वाले सफाई कर्मचारी की गैर हाजिरी दर्ज की जाती है उनके द्वारा हाजिरी रजिस्टर की छाया प्रति मांगी वह उनको उपलब्ध करा दी गयी।

संतोष तिवारी नपा नौगांव

सीएमओ से जांच के लिये कहा है

दो महिने अधिकारी और कर्मचारी चुनाव ड्यूटी कर रहे है खजुराहो में ड्यूटी कर्मचारी की लग गयी थी। जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई। हमारे पार्षद के द्वारा जो शिकायत की गयी है उसके लिये तत्काल सीएमओ मैडम को जांच के करने लिये कहा है। जो सत्यता होगी वह सामने आ जायेगी।

अनूप तिवारी नपा अध्यक्ष नौगांव

कुलपति ने किया प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण का शुभारंभ

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो शुभा तिवारी ने प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। सरस्वती सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की उपलब्धता क्या है, यही हमारी अवधारणा है। हर काम के लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर के बाहर न जाना पड़े ऐसा प्रयास है। प्रवेश, पुस्तकालय, कोचिंग सभी परिसर में उपलब्ध हों। कुलपति ने कहा कि हम सिविल सर्विसेज संघ लोक सेवा आयोग और राज्य सेवा आयोग की परीक्षाओं को लक्ष्य बनाएंगे क्योंकि इन दोनों परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में पर्याप्त समानता है। हमें अपना लक्ष्य हमेशा ऊंचा रखना चाहिए, धैर्यवान बनना होगा। बहुत धीरे-धीरे गंभीरता के साथ लगातार तैयारी करते रहना है। अच्छा संघर्ष हमारी सफलता को सुनिश्चित करते हैं।

कुलसचिव यशवंत सिंह पटेल ने कहा कि हमें ज्ञान के साथ-साथ स्किल एप्टीट्यूड में भी पारंगत होना जरूरी है। हम विश्वविद्यालय में सभी संसाधन उपलब्ध कराएंगे। प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र के प्रभारी प्रो एचएन खरे ने कहा हम आज खुली आंखों से सपना देखें और उसे सपने को कभी न भूले। यही हमारे सफलता के लिए मंत्र होगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो आरके पांडेय ने कहा कि आप अपने को किसी से कम न समझें, यह आत्मविश्वास हमें आगे बढ़ने में मदद करेगा। प्रो जेपी शाक्य ने कहा कि परीक्षार्थियों को ओफेंसिव एक्शन और हाई मोरल प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए उत्तम होता है। यूनिवर्सिटी के प्रो डॉ सुमति प्रकाश जैन ने बताया कि इस केंद्र के निदेशक के रुप में प्रो. डीपी शुक्ल और प्रो. एचएन खरे हैं।सह-निदेशक के रुप में डा. नन्दकिशोर पटेल, डा. केके गंगेले व डा. आनन्द पाण्डेय हैं। शुभारंभ के अवसर पर प्रो मंजूषा सक्सेना, प्रो अर्चना जैन, प्रो पीएल प्रजापति, प्रो बहादुर सिंह परमार, प्रो बीपी एस गौर, प्रो अशोक निगम, डॉ आनंद कुमार पाण्डेय सहित अनेक प्राध्यापक, प्रशिक्षण देने के लिए चयनित शिक्षक तथा एक विशेष परीक्षा से चयनित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय जनसुनवाई के आयोजन में आये 32 आवेदन

शिकायत दस्तावेज लेखिका से वापस दिलाए रूपये

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देशन में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई।

जनसुनवाई में 31 मामले आये, इनके निराकरण के लिये संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये गये। वहीं एक महिला की शिकायत पर न्यायालय में दस्तावेज लेखिका द्वारा लिये गये रूपये तुरंत वापस करवाये गये हैं। जानकारी के अनुसार जनसुनवाई में गरीबी रेखा सूची में नाम जोड़ने का आवेदन लेकर तहसील नौगांव के ग्राम मुड़वारा निवासी सखी अहिरवार पहुंची। एडीएम नम: शिवाय अरजरिया ने उससे पूछा कि आवेदन कहां से लिखवाया और कितने रुपए दिए। सखी ने बताया कि न्यायालय परिसर में दस्तावेज लेखिका ने सौ रूपये लेकर आवेदन लिखा है। इस बात को कलेक्टर के संज्ञान में लाया गया। कलेक्टर के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर रामनिवास चौधरी को सखी के साथ न्यायालय परिसर भेजा गया। वहां आवेदन लिखने वाली महिला ने सौ रूपये लेकर आवेदन लिखने की बात स्वीकारी। अधिकारी के कहने पर उसने जनसुनवाई में आकर सखी से लिये सौ रूपये वापस किए। दस्तावेज लेखिका को कड़ी हिदायत दी गई कि वह से ऐसा नहीं करे। कलेक्टर के निर्देशन में हुई इस तत्काल कार्रवाई से न्यायालय परिसर में सक्रिय दलालों में हड़कंप मच गया है। यहां बता दें कि जनसुनवाई में आवेदन लिखवाने की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध है। कलेक्टर संदीप जीआर ने दलाली कर लोगों से मनमाने तरीके से काम के एवज में पैसे वसूलने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

किसानों को बाजार से महंगे दामों में मिल रही खाद, जिम्मेदार कर रहे अनदेखी

छतरपुर, देशबन्धु। जिले में प्रशासन की सख्ती के बावजूद दुकानदार खाद की कालाबाजारी करने से बाज नहीं आ रहे है। बाजार में खाद महंगे दामों में बेची जा रही है।

एक तरफ प्रशासन खाद की कालाबाजारी करने वालों पर लगातार कार्यवाई कर रहा है। उसके बावजूद किसान खाद माफिया की मनमानी के शिकार हो रहै हैं। छतरपुर मंडी में खाद की कालाबाजारी के8 सच्चाई देखी जा सकती है। यहां एक एक बोरी खाद के लिए सुबह से लाइन में लगे किसान शाम तक परेशान होते रहे। वहीं अधिकारियों की साठगांठ से व्यापारी पिकअप और ट्रैक्टर से खाद ले जाते नजर आए।

किसानों का कहना है कि मंडी में किसानों को जानबूझकर खाद के लिए परेशान किया जाता है। इस कारण किसान मजबूर होकर व्यापारियों से ब्लैक में खाद खरीद रहे हैं। यूरिया की बोरी 450 की बजाय 900 रुपये में और डीएपी की एक बोरी 1500 रुपये में बेची जा रही है। किसान मजबूरी में मंहगी खाद की खरीदने को मजबूर हैं। किसान गणेश प्रसाद, हजारीलाल यादव निवारी, शिवम दिक्षित ने बताया कि वे कई दिनों से खाद के लिए परेशान हैं। सुबह से लाइन में लगे लगे हैं रात के 8 बज चुके हैं लेकिन अभी खाद नहीं मिली है।

वहीं हमारी आंखों के सामने व्यापारियों को ट्रैक्टर और पिकअप में भरकर दो-दो सौ बोरी खाद दिया जा रहा है। उनका कहना है कि अधिकारी कार्रवाई के नाम पर आकर अपनी फोटो खींचाकर चले जाते हैं। हम लोगों की खाद की समस्या का कब निदान होगा पता नहीं। खाद के बिना हम खेतों की बुवाई नहीं कर पा रहे हैं।

दिन में धूप खिलने से राहत मिली, शाम को तापमान में गिरावट से सर्दी बढी

छतरपुर, देशबन्धु। लगातार आठवें दिन मौसम का मिजाज बिगडा हुआ है। मंगलवार को सुबह आसमान में कोहरे की पर्त छाई रही। दिन चढने के साथ कुछ देर के लिये बादल छंटने से तापमान में गिरावट आ गई। जिससे लोगों को सर्दी का एहसास ज्यादा होने लगा है।

लगातार कई दिनों से आसमान में बादल छाये रहने और कोहरे के साथ बारिश होने के कारण सामान्य जनजीवन पर तेजी से असर पडा है। लोग सर्दी से परेशान होकर गर्म कपडे पहनकर या आग तापकर सर्दी से राहत पाने के प्रयास कर रहे हैं। मंगलवार को सर्दी के कारण सुबह के समय सडकों पर वाहनों की आवाजाही कम रहने से हाइवे के व्यस्त चौराहों और तिराहों पर कुछ सन्नाटा सा नजर आया है। जिन खेतों में बुवाई नहीं हो पाई थी, वे खेत बारिश से गीले हो गये हैं। किसान उन खेतों के सूखने का इंतजार कर रहे हैं। किसानों को इस बात की चिंता सताने लगी है कि यदि दोबारा पानी बरस गया तो वे बुवाई समय से नहीं कर सकेंगे, जिसका असर उत्पादन पर विपरीत पडने का खतरा बढ जायेगा। हालांकि कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा अभी गेहूं की बुवाई के लिये पर्याप्त समय बताया जा रहा है। किसान दिसंबर के आखिरी सप्ताह तक बुवाई आराम से कर सकते हैं।

मंगलवार को छतरपुर में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इस तरह से तापमान में करीब दो डिग्री की गिरावट के असर से लोगों को कुछ ज्यादा सर्दी का एहसास होने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में एक बार फिर तेजी से बदलाव आने की संभावना है। इस दौरान कहीं कहीं हल्की बारिश का भी अनुमान जताया गया है। आसमान में बादल छाये रहेंगे, कोहरे का असर भी बना रहेगा। बादलों के कारण रात के तापमान में कुछ बढोत्तरी हो की संभावना है।

पत्नी के भागने से नाराज पति ससुराल से साले का बेटा लेकर भागा

छतरपुर, बमीठा देशबन्धु। एक युवक अपनी पत्नी के साथ दूर शहर में रहकर मजदूरी करने गया था। वहां मौका पाकर पत्नी अपना बेटा साथ लेकर प्रेमी के साथ भाग गई। इससे नाराज पति अपनी ससुराल पहुंचा और साले का बेटा लेकर फरार हो गया है।

बताया गया है कि नौगांव थाने के अंतर्गत ग्राम झिरियन निवासी लखन रैकवार का विवाह बमीठा थाने के ग्राम इमलाहा में लक्ष्मी रैकवार के साथ हुआ था। वह काम की तलाश में अपनी पत्नी और छोटे बेटे के साथ बलमगढ चला गया। बताते हैं वहां पत्नी का किसी दूसरे युवक से प्रेम का चक्कर चलने लगा। इसी बीच मौका पाकर लक्ष्मी अपने छोटे बेटे सहित प्रेमी के साथ कहीं भाग गई। इस बात का पता चलने पर लखन ने पहले उसे खोजा बाद में पत्नी की हरकत का बदला उसके मायके पक्ष से लेने की योजना बनाने लगा। योजना के अनुसार लखन अपनी ससुराल इमलाहा पहुंचा और वहां रूक गया। दोपहर के समय वह अपने साले की पत्नी से उसके 6 साल के बेटे की कटिंग कराने की बात कहकर घर से निकल तो लौटकर घर नहीं आया। जब रात में भी वह वापस नहीं लौटा तो सभी की चिंता बढ गई और उसे संभावित जगहों पर तलाशा गया। जब कहीं भी लखन और साले के बेटे का पता नहीं चला तो पूरे परिवार के लोगों ने थाने आकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि मामले की रिपोर्ट के आधार पर आरोपित की तलाश की जा रही है। उसे जल्दी ही पकड़कर बच्चे को बरामद कर लिया जायेगा।

समाजसेवियों ने अपने अनुभव साझा करके समझाया जीवन का आनंद

- राज्य आनंद संस्थान ने मनाया अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस

छतरपुर, देशबन्धु। राज्य आनंद संस्थान द्वारा मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस का आयोजन गांधी आश्रम में किया गया। जिसमें समाजसेवियों और गणमान्य लोगों ने अपने जीवन के अनुभव साझा करके जीवन के आनंद को समझाया।

आनंद विभाग के जिला संपर्क व्यक्ति लखनलाल असाटी ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का एक उद्देश्य यह भी है कि अलग-अलग सामाजिक सेवा में लगे समाजसेवियों को एक मंच पर लाना है।

रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी रामकुमार मिश्र ने कहा कि आनंद विभाग से जुड़कर उन्होंने अपने क्रोध पर नियंत्रण किया है। अपने सेवाकाल के अंतिम वर्षों में उन्हें इसका लाभ भी हुआ है। रिटायर्ड सीनियर लैब टेक्नीशियन केएन सोमन ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाजसेवियों में ऊर्जा प्रदान करते हैं। गांधी आश्रम

की संचालक दमयंती सिंह ने कहा कि खुद पर काम करने की आनंद विभाग की थीम अनुकरणीय है। जिला न्यायालय में प्रशासनिक अधिकारी पद से रिटायर्ड संतोष कुमार गुप्ता ने अल्पविराम को श्रेष्ठ कार्यक्रम बताया। सिंचाई विभाग के रिटायर्ड एसडीओ अशोक गुप्ता ने अल्प विराम को खुद को पहचानने का कार्यक्रम बताया। एडवोकेट संजय शर्मा ने कहा कि जब वह पहली बार भोपाल में आनंद क्लब के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए थे तब उन्हें अपनी खुद की कमियों पर ध्यान गया था।

रिटायर्ड शिक्षक रवि खरे ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हमें अपने परिवार का ध्यान रखने का संदेश मिलता है। डॉ आरपी प्रजापति ने कहा कि संसार की सबसे बड़ी सेवा खुद का सुधार है। संगम सेवालय प्रमुख विपिन अवस्थी ने कहा अल्पविराम खुद को निखारने का कार्यक्रम है। रक्तवीर सेवा दल प्रमुख अमित जैन ने कहा मानसिक मजबूती के लिए अल्पविराम आवश्यक है। रिटायर्ड सैनिक यश प्रताप सिंह गौतम ने कहा कि व्यक्ति आजीवन आनंद की खोज में ही तो लगा है। रिटायर्ड स्टाफ नर्स विमला सोमन ने कहा कि स्वच्छता वृक्षारोपण के माध्यम से हम समाज की सेवा कर सकते हैं। शिक्षक तृप्ति शर्मा ने स्वच्छता पखवाड़े पर जानकारी दी। संत दीदी महाराज, आनंद ग्राम सहयोगी रवि परिहार और पंचायत सचिव शिवनारायण पटेल ने कहा कि अल्पविराम ने मेरा जीवन बदल दिया है।

योगाचार्य रामकृपाल यादव ने कहा कि आनंद विभाग से जुड़ने के पहले तक वह अपने 90 फ़ीसदी दिव्यांग बच्चों को बोझ समझते थे पर आज उसमें उन्हें अपना भगवान दिखाई देता है। पुलिस परामर्श केंद्र में काउंसलर नीलम पांडे ने कहा कि आनंद विभाग के माध्यम से उन्हें जीवन को सरल बनाने में मदद मिली है। समाजसेवी शंकर सोनी ने कहा कि दूसरों को आनंदित करने के लिए एक मुस्कान जिंदगी और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक वह 190 लोगों को सम्मानित कर चुके हैं। आनंद विभाग की मास्टर ट्रेनर आशा असाटी ने कहा कि अल्पविराम का असर अब उन्हें अपने परिवार में भी दिखाई देता है।

पंचकल्याणक महामहोत्सव के दौरान आयोजित किये जा रहे धार्मिक कार्यक्रम

जैन मुनि ने संलेखना से ली समाधि, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

छतरपुर, बक्सवाहा, देशबन्धु। *जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिर (रेशंदीगिरी) में पंचकल्याणक महामहोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी दौरान जैन मुनि विश्ववीर सागर महाराज ने सल्लेखना से समाधि ले ली है। उनके दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।*

कार्यक्रम के दौरान विधि विधान से इंद्रसभा का आयोजन किया गया। संपूर्ण पंचकल्याणक में प्रख्यात जैन संत आचार्य विराग सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। बताया गया है कि मंगलवार को सुबह आचार्य संघ के एक मुनि विश्ववीर सागर महाराज की संलेखना हो गई ! सुबह करीब 9 बजे संलेखना (समाधि) महोत्सव बेला की क्रिया संपन्न हुई जिसमें क्षेत्रीय जैन समाज की भूमिका खास रही।मुनि विश्ववीर सागर महाराज की समाधि में राष्ट्रसंत गढाचार्य विराग सागर महाराज ने कहा कि ये खास संयोग है कि पंचकल्याणक के शुभ अवसर पर मुनि विश्ववीर सागर महाराज के जीवन का कल्याण हुआ है। मुनिश्री की संलेखना में गुरुदेव गढाचार्य विराग सागर महाराज ससंघ, क्षेत्रीय जैन समाज सहित नैनागिर कमेटी के पदाधिकारी उपस्थित रहे। यहां बता दे कि 32 पिच्छी के सानिध्य में संलेखना हुई है। गुरुदेव के नेतृत्व में यह 142वी संलेखना थी।

मुनि विश्ववीर सागर का जीवन परिचय *: दमोह जिले के हटा निवासी मुनि विश्ववीर सागर का पुराना नाम रमेश चंद्र जैन था। बीए तक शिक्षित होकर वे बैंक में सरकारी नौकरी करने लगे थे।*

इसी समय उन्हें प्रेरणा ही कि वे सांसारिक जीवन से सन्यास लेकर साधक बन जाएं। ये विचार मन में आते ही उन्होंने ब्रह्मचर्यव्रत और मुनिदीक्षा भिंड में 1997 - 98 में गुरु गढाचार्य विराग सागर महाराज से ली। दीक्षा के बाद उनको विश्ववीर सागर नाम दिया गया। उन्होंने तमाम जैन शास्त्रों का अध्ययन किया। 25 वर्ष की साधना के पश्चात मुनि विश्ववीर सागर महाराज नैनागिर सिद्ध क्षेत्र में सल्लेखना से समाधिस्त हुए है।

देशबन्धु

सागर, बुधवार 6 दिसंबर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

राजस्थान के भाजपायी विधायक एक्शन में

जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीज़े निकले हैं, उनमें से एक राजस्थान भी है जहां भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर जीत हासिल की है। अभी वहां न तो सरकार बनी है और न ही मुख्यमंत्री चुने गये हैं, परन्तु उसके विधायक सक्रिय हो गये हैं। उनके एक विधायक कह रहे हैं कि वे माफियाओं को ढूंढ़-ढूंढकर नाश्ते में खायेंगे, तो एक अन्य विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी नॉन वेज दुकानों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के लिये पुलिस अधिकारियों को फरमान जारी कर रहे हैं। विकास की बजाय उदयपुर के कन्हैयालाल की मौत के आधार पर भाजपा के पक्ष में जनादेश का सम्भवत: यही साइड इफेक्ट हो सकता है। भाजपा की जीत का यह तत्काल प्रभाव भी कहा जा सकता है। अगर भाजपा के विधायक और नेता अपनी सरकार बनने से ताकत पाकर अभी से ऐसी हरकतें कर रहे हैं तो आने वाले समय में और भी कई उदाहरण देखने को मिल सकते हैं। कहा जा सकता है कि पार्टी तो अभी शुरू हुई है, लेकिन ऐसे बयानों के चलते राज्य का सामाजिक माहौल कैसा बनेगा, उसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है।

जयपुर के हवामहल से महज़ 600 वोटों से जीतने वाले बालमुकुंद आचार्य ने विधायक पद की शपथ लिये बिना ही सोमवार को स्थानीय पुलिस को आदेश दे दिया कि शाम तक उनके क्षेत्र के नॉन वेज के सारे ठेले हटाये जायें। उन्होंने पुलिस से कहा कि उनके लाइसेंसों की जांच की जाये और उन्हें दिखलाया जाये। आचार्य ने पुलिस अधिकारियों से यह भी पूछा कि वे स्वयं रिपोर्ट देंगे या उन्हें पुलिस स्टेशन आना पड़ेगा? राजस्थान मिली-जुली संस्कृति का प्रदेश है जहां सभी धर्मों के लोग रहते हैं। जाहिर है कि उनकी जीवन शैलियों में भी भिन्नता है। खान-पान सम्बन्धी रुचियां भी अलग-अलग हैं। चाहे शाकाहार हो या मांसाहार- सभी धर्मों के लोगों की जीवन पद्धति में दोनों ही तरह के भोजन शामिल हैं।

धाम पीठाधिश्वर कहे जाने वाले बालमुकुंद आचार्य का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे अपने मोबाइल पर किसी अधिकारी को निर्देश देते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चांदी की टकसाल रोड पर मांसाहार की दुकानें हटा दी जायें। इस सड़क पर जितने भी ठेले खुले में नॉन वेज पदार्थ बिक रहे हैं, वे दिखने नहीं चाहिये। इस वीडियो के वायरल होने के बाद उन्होंने सफाई दी कि वे किसी को धमका नहीं रहे हैं बल्कि निवेदन कर रहे हैं। फिर भी उन्होंने साफ किया कि उन्हें विधायक बनने का सर्टिफिकेट मिल गया है और अब वे किसी मुहूर्त का इंतज़ार नहीं करेंगे। उनका यह भी आरोप था कि कांग्रेस शासन में अधिकारी टालमटोल करते थे परन्तु वे इस बात को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उनका कहना था कि उनके क्षेत्र के लोग खुले में मांस का व्यवसाय होते देखना पसंद नहीं करेंगे। उनकी शिकायत थी कि इसकी आड़ में गोमांस का भी कारोबार होता है।

बालमुकुंद आचार्य अखिल भारतीय संत समाज की राजस्थान शाखा के प्रमुख हैं। वे हर ऐसे मामले में हिन्दुओं का पक्ष लेने पहुंचते हैं जहां किसी भी प्रकार का साम्प्रदायिक टकराव होता है। पिछले दिनों वे अपने एक और बयान के लिये चर्चा में आये थे जिसमें उन्होंने कहा था कि जयपुर के परकोटा क्षेत्र में बड़ी तादाद में मंदिर थे जिन्हें नष्ट किया जा चुका है। उन्होंने ऐसे सैकड़ों मंदिरों के उनके पास प्रमाण होने का भी दावा किया था। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे हर रोज ऐसे ही एक मंदिर में जायेंगे जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है। इन मंदिरों के पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार का भी उन्होंने संकल्प ले रखा है। देखना यह होगा कि विधायक बनने के बाद अपने बढ़े हुए रसूख व शक्तियों के साथ वे अपने अभियान को कैसा और किस तरह का अंजाम देते हैं। अब तो सरकार भी उनकी है और यह भी सम्भव है कि वहां बाबा बालकनाथ को मुख्यमंत्री बना दिया जाये। फिर तो उनका संकल्प पूरा होकर ही रहेगा।

उधर दूसरी तरफ जयपुर की ही झोटवाड़ा सीट पर जीते भाजपा नेता कर्नल (सेवानिवृत्त) राज्यवर्धन राठौड़ ने चेतावनी जारी कर दी है कि वे अब माफियाओं को ढूंढ़-ढूंढकर निकालेंगे और नाश्ते में खाएंगे। उनका भी एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे कहते हैं- 'मैं माफियाओं को नाश्ते में खाता हूं। जितने माफिया हैं वे कान खोलकर सुन लें कि अगर वे मुझको रोक सकते हैं तो रोक लें। अगर नहीं रोक सकते तो मैं माफियाओं को ढूंढ़-ढूंढकर निकालूंगा, नाश्ते में खाऊंगा। हिम्मत है तो मुझे रोककर दिखा दो।'

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की निवर्तमान अशोक गहलोत सरकार ने लोगों के पक्ष में अनेक कल्याणकारी योजनाएं लागू की थीं। राज्य के लोगों के लिये 450 रुपये में रसोई गैस का सिलेंडर दिया जा रहा था। साथ ही अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने का भी ऐलान हुआ था। उनके द्वारा चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना भी लाई गई थी जिसके अंतर्गत किसी भी तरह की बीमारी का 50 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त किया जा रहा था। पहले यह राशि 25 लाख रुपये तक थी जिसे बाद में बढ़कर 50 लाख किया गया था। इसके मुकाबले भाजपा ने कन्हैयालाल नामक व्यक्ति की हत्या को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साम्प्रदायिकता व ध्रुवीकरण को राजस्थान की जनता ने अपनी पसंद बतलाकर भाजपा के पक्ष में बड़ा समर्थन दिया। बड़ी बात नहीं अगर पहले दिन से ही भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक ऐसे बयान दे रहे हैं; क्योंकि वे जनता की पसंद को समझ गये हैं। फिर उन्हें अगला चुनाव भी तो जीतना है।

सकारात्मकता का पाठ सिखाते मोदी

पांच में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में रविवार को मिली छप्पर फाड़ जीत से गदगद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब अगले ही दिन संसद के शीतकालीन सत्र में हिस्सा लेने पहुंचे, तो वे उत्साह से इस कदर लबरेज़ थे कि उन्होंने संसद के द्वार पर विपक्ष को 'सकारात्मकता' का संदेश दिया और 'नफरत का भाव' त्यागने की भी सलाह दी। उन्होंने विपक्ष को समझाया कि 'ऐसा करने से देश का उनके प्रति नज़रिया बदलेगा जिसका उन्हें (प्रतिपक्ष को) इसलिये राजनैतिक लाभ भी मिलेगा क्योंकि जनता उनसे (विरोधी दलों से) मोहब्बत करने लगेगी।' प्रधानमंत्री की उन्हें यह भी सलाह थी कि वे विरोध के लिये विरोध छोड़ें। तीन राज्यों में मिली 'पराजय का गुस्सा छोड़कर' विपक्ष को चर्चा में भाग लेने के प्रति आगाह करते हुए पीएम ने उनसे सरकार की कमियों पर सलाह देने के लिये भी आमंत्रित किया। उन्होंने यह भी इशारा किया कि विपक्षी दलों का यह रवैया पिछले नौ वर्षों से चला आ रहा है। जाहिर है कि वे इन शब्दों में अपने ही कार्यकाल का उल्लेख कर रहे थे। एक 'मजबूत एवं सामर्थ्यवान विपक्ष' की ज़रूरत बतलाकर मोदी ने सबको चकित भी कर दिया।

प्रधानमंत्री के ये परामर्श ऊपरी तौर पर तो बेहद नेक नज़र आते हैं और कोई भी यह नहीं कह सकता कि इस सीख को विरोधी नेताओं को नहीं अपनाना चाहिये। सवाल तो यह है कि क्या स्वयं मोदी इस कथित नकारात्मकता के भाव से ऊपर उठ चुके हैं? क्या उनमें विरोधी दलों एवं उनके नेताओं के प्रति नफरत का भाव कूट-कूटकर नहीं भरा हुआ है? सकारात्मकता का काढ़ा पिलाने की कोशिश करने वाले मोदी अगर ईमानदारी से अपने इन विचारों और खुद के आचरण पर ही गौर फरमाएं तो पाएंगे कि उनकी कथनी और करनी में धरती-आकाश सा फासला है। फिर भी, क्या ही अच्छा होता कि इस सलाह पर अमल की शुरुआत अगर उन्हीं से होती।

जिन नौ वर्षों के दौरान के विपक्ष के रवैये से मोदी व्यथित नज़र आये, उसे अगर उन्हीं के बरक्स देखें तो उनका यह वक्तव्य एक बड़े विरोधाभास से कतई कम नज़र नहीं आता। अमूनन मीडिया से भागने वाले मोदी अब संसद का सत्र प्रारम्भ होने पर इस तरह से मीडिया के समक्ष संक्षिप्त से उद्बोधन के लिये नमूदार होने लगे हैं। कम से कम इसका स्वागत तो किया ही जा सकता है। और भी बेहतर होता अगर वे पिछले सभी प्रधानमंत्रियों की परम्परा का निर्वाह करते हुए सत्र की शुरुआत के वक्त प्रेस कांफ्रेंस करते। पत्रकारों से सवाल आमंत्रित करते और उनके जवाब देते। अपने दो कार्यकालों के दौरान यह शायद चौथा या पांचवा मौका रहा होगा जब वे मीडिया के सामने आये। एक ओर तो वे पत्रकारों से बात ही नहीं करते, तो वहीं दूसरी ओर संसद में उनकी उपस्थिति बहुत कम होती है। संसदीय परम्परा के ही अनुसरण में सारे पूर्व प्रधानमंत्री पूरे समय संसद के दोनों सदनों में हाज़िर रहा करते थे। मोदी संसद के सत्रों के

डॉ. दीपक पाचपोर

> सरकार की त्रुटियों पर विपक्ष के विचार आमंत्रित करने का औदार्य दिखलाने वाले ये वही मोदी हैं जो अपनी आलोचना को विरोधियों द्वारा गालियां देना भी बतलाते रहे हैं। ऐसा वे संसद के बाहर व भीतर दोनों जगहों पर करते हैं। उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी या फिर चीन की भारतीय सीमा में घुसपैठ की बात की जाये तो वे इसे देश पर हमला बतलाने लगते हैं; और अगर नोटबन्दी या जीएसटी की असफलताओं पर विपक्ष बात करे तो उसे देशविरोधी करार दिया जाता है।

दौरान सदन के बाहर सभाएं या रैलियां करते फिरते हैं। शून्य काल या प्रश्न काल में वे नज़र ही नहीं आते। अक्सर चर्चा खत्म होने के बाद वे आते भी हैं तो उनके भाषणों में विपक्ष के सवालों के सिलसिलेवार या तार्किक जवाब नहीं होते और न ही देश की चिंताओं को वे एड्रेस करते नज़र आते हैं। तमाम महत्वपूर्ण विधेयक वे चर्चा के बगैर पास कराते हैं। कोई अगर सवाल करे तो वे या तो उस पर बात ही नहीं करते या फिर ऐसे मुखर सदस्यों की आवाज़ को अपने सांसदों के शोर-गुल में दबवा देते हैं। इस पर भी उनके लिये उठाये जाने वाले अड़चन भरे सवालों या बयानों को संसदीय कार्यवाही से विलोपित कर दिया जाता है या सदस्यों को ही निलम्बित करा दिया जाता है। इस पर भी मन न भरे तो उनके यहां केन्द्रीय जांच एजेंसियां दस्तक देने लगती हैं। सर्वदलीय बैठक जूनियर मंत्रियों के हवाले कर वे स्वयं बाहर सभाएं करते हैं।

सरकार की त्रुटियों पर विपक्ष के विचार आमंत्रित करने का औदार्य दिखलाने वाले ये वही मोदी हैं जो अपनी आलोचना को विरोधियों द्वारा गालियां देना भी बतलाते रहे हैं। ऐसा वे संसद के बाहर व भीतर दोनों जगहों पर करते हैं। उनके कारोबारी मित्र गौतम अदानी या फिर चीन की भारतीय सीमा में घुसपैठ की बात की जाये तो वे इसे देश पर हमला बतलाने लगते हैं; और अगर नोटबन्दी या जीएसटी की असफलताओं पर विपक्ष बात करे तो उसे देशविरोधी करार दिया जाता है। पिछले 70 वर्षों का बिला नागा रोज हिसाब मांगने वाले मोदी से सम्बन्धित कोई सवाल अगर हो तो वे उन्हें मिलने वाली गालियों की संख्या बतलाने लगते हैं। या वे इस बात का रोना रोते हैं कि उन्हें क्या-क्या कहकर और कितने किलो गालियां दी गईं। अगर प्रधानमंत्री खुली चर्चा के इतने ही हिमायती हैं तो उन्हें अपने सांसदों, पार्टी प्रवक्ताओं, आईटी सेल, ट्रोल आर्मी से कहकर विपक्ष की आवाज दबाने के लिये चलाए जा रहे अभियानों को रुकवाना चाहिये। सब जानते हैं कि ऐसा होना सम्भव नहीं है क्योंकि यह मोदी व उनकी भारतीय जनता पार्टी का विपक्ष के खिलाफ एक बेहद अलोकतांत्रिक अभियान का हिस्सा है। मजबूत प्रतिपक्ष की वकालत कर उसे खुली चर्चा का न्यौता ऐसा कोई व्यक्ति दे ही नहीं सकता जो देश को उसकी सबसे पुरानी और आजादी के आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने वाली कांग्रेस से ही मुक्त होने का न केवल सपना दिखाए बल्कि उसका नारा भी दे और ऐसा करने के तमाम अलोकतांत्रिक कदम उठाये। खुद मोदी कांग्रेस एवं सम्पूर्ण विपक्ष को अनेक प्रकार से बदनाम करने के अभियानों का (सफल) नेतृत्व करते आये हैं।

वैसे जब प्रधानमंत्री संसद भवन को 'लोकतंत्र का मंदिर' बतलाते हुए विपक्ष को ज्ञान दे रहे थे तो उनकी भाव-भंगिमा में विनम्रता व सहजता नहीं थी। सम्भवत: वे कांग्रेस पर खास तौर पर तंज कसने और उसका मखौल उड़ाने के लिये प्रकट हुए थे। ऐसा उन्होंने पहली बार नहीं किया। संसद के दस्तावेज़ों में उनके ऐसे अनेक भाषण संरक्षित होने चाहिये जो विपक्ष एवं राष्ट्र निर्माताओं के लिये अपमानसूचक शब्दों से भरे पड़े हैं। उनका यही रवैया सदन के बाहर दिये जाने वाले भाषणों में भी रहता है। बहुत पीछे जाकर उनके पुराने वक्तव्यों को उद्धृत करने की बजाये हाल के उनके कुछ बयानों को देखें तो उनका व्यवहार उनकी इस ताज़ा सीख से एकदम अलग है। पुरानी संसद से नये भवन में जाने के पहले उन्होंने इसी जगह पर कहा था कि 'विपक्ष रोना-धोना छोड़कर नयी शुरुआत करे।' रोने-धोने से उनका आशय वही था जो इस बार की नकारात्मकता से है। यानी उन्हें असहज करने वाले प्रश्न न पूछे जायें और सरकार की हां में हां मिलाई जाये। मोदी की सकारात्मकता का यही आशय है। फिर, सवाल पूछने वाले उनके लिये 'मूर्खों के सरदार' भी हो जाते हैं।

अधिक पीछे गये बगैर मोदी के पिछले नौ वर्षों के राजनैतिक सफर को देखें तो कह सकते हैं कि सकारात्मकता अपनाने का जो संदेश वे दे रहे हैं उसकी शुरुआत उन्हीं से किये जाने की सख्त ज़रूरत है। आजाद मुल्क के गौरवशाली संसदीय इतिहास व लोकतांत्रिक विरासत को हमेशा गरियाने और विपक्ष विहीन भारत का नारा बुलन्द करने वाले मोदी ने जो बातें सोमवार को संसद भवन की दहलीज पर कीं, उसके एक छोटे से हिस्से पर भी वे अमल करें तो देश का न केवल लोकतंत्र बचा रहेगा वरन देश भी बच जायेगा।

(लेखक देशबन्धु के राजनीतिक सम्पादक हैं)

इंडिया ब्लॉक को विधानसभा चुनाव नतीजों से उचित सबक लेना होगा

■ नित्य चक्रवर्ती

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव परिणाम अप्रैल/मई 2024 में होने वाले लोकसभा चुनावों से ठीक चार महीने पहले भाजपा विरोधी विपक्ष को अशुभ संकेत भेज रहे हैं। तीन उत्तर भारतीय राज्यों- मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के हाथों कांग्रेस की हार एक आपदा है। भाजपा की इस भारी जीत का प्रभाव राष्ट्रीय फलक पर बीआरएस को हराकर तेलंगाना में कांग्रेस की जीत को बेअसर कर देगा।

राज्य विधानसभा चुनावों के नतीजों से कई सबक मिलते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है देश के इन तीन प्रमुख राज्यों में मतदाताओं के राजनीतिक मूड में भाजपा के पक्ष में स्पष्ट बदलाव। यह सीमांत नहीं है, यह बहुत अधिक है। चुनाव प्रचार के अंतिम समय तक यह धारणा थी कि इस साल मई में हिमाचल और इससे भी अधिक कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस को चुनावी लड़ाई में बढ़त मिल रही है। 3 दिसंबर के नतीजों से पता चला है कि हवा भाजपा के पक्ष में बदल गई है और इससे हिंदी भाषी राज्यों में 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के पलटवार की संभावना कम हो गई है।

आइए इन तीन राज्यों में पिछले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर नजर डालते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल 65 सीटों में से भाजपा को 61 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस को मात्र 3 सीटें ही मिली थीं। यह परिणाम 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद आया था जिसमें कांग्रेस ने तीनों राज्यों में भाजपा को हरा दिया था। 2019 के लोकसभा नतीजों को कई लोगों ने नरेंद्र मोदी फैक्टर का जिक्र करके समझाया। अब लोकसभा चुनाव की पूर्वसंध्या पर इन तीनों राज्यों में से किसी में भी कांग्रेस की सरकार नहीं है। मोदी फैक्टर को छोड़ दें, केवल राज्य चुनाव प्रचार के आधार पर, कांग्रेस के पास इन तीन राज्यों में मतदाताओं को देने के लिए कुछ भी नया नहीं होगा।

> जहां तक इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का सवाल है, नतीजों ने खतरा भी पैदा किया है और कुछ अवसर भी। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में अच्छी जीत की उम्मीद कर रही थी और उस आधार पर, 2024 के चुनावों के लिए सीट बंटवारे के संबंध में बेहतर सौदेबाजी की शक्ति के साथ आगामी विपक्षी गठबंधन बैठक में भाग लेने की योजना बना रही थी। वह लाभ अब नहीं रहेगा।

2024 के चुनावों में हिंदी भाषी राज्यों में बदलाव कांग्रेस पार्टी के लिए अपनी लोकसभा सीटों को वर्तमान 52 से बढ़ाकर 120 से अधिक करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो कि प्रमुख विपक्षी दल के लिए भारत ब्लॉक में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए न्यूनतम है, यदि भाजपा को केन्द्र की सत्ता से बेदखल करना है तो। 2003 के विधानसभा चुनावों में सभी राज्यों में हार के बावजूद, 2004 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने इन तीन राज्यों में अच्छा प्रदर्शन किया। वह बीस साल पहले की बात है और प्रधानमंत्री के रूप में कोई नरेंद्र मोदी नहीं थे। कांग्रेस को गंभीरता से आत्मनिरीक्षण करना होगा और देखना होगा कि अगले कुछ महीनों में धारणा को कैसे बदला जा सकता है।

3 दिसंबर के नतीजे मतदाताओं के मूड में एक स्पष्ट दक्षिण-उत्तर विभाजन का संकेत देते हैं। आम तौर पर, पिछला इतिहास बताता है कि एक बार जब कांग्रेस को किसी क्षेत्रीय पार्टी सत्ता से हटाती है, तो सबसे पुरानी पार्टी कभी भी अपने दम पर सत्ता में वापस नहीं आती। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, झारखंड और यहां तक कि बिहार के साथ भी यही स्थिति रही है। तेलंगाना में, यह प्रवृत्ति उलट गई है और इससे कांग्रेस आलाकमान को दक्षिण भारतीय राज्यों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश और केरल में अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य मिल सकते हैं।

कांग्रेस पार्टी के लिए दिक्कत यह है कि दक्षिणी राज्यों से उसे लोकसभा में ज्यादा सीटें मिलने की गुंजाइश कम है। पार्टी को सबसे ज्यादा फायदा हिंदी भाषी राज्यों से होना है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में इन राज्यों में प्रदर्शन सबसे निचले स्तर पर था। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अलावा, अन्य हिंदी भाषी राज्य बिहार, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार और झारखंड में कांग्रेस पहले से ही गठबंधन सरकार का हिस्सा है। ताजा नतीजे इन गठबंधन राज्यों में अपने सहयोगियों से अधिक लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस की सौदेबाजी की शक्ति को कम कर देंगे।

जहां तक इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का सवाल है, नतीजों ने खतरा भी पैदा किया है और कुछ अवसर भी। कांग्रेस विधानसभा चुनावों में अच्छी जीत की उम्मीद कर रही थी और उस आधार पर, 2024 के चुनावों के लिए सीट बंटवारे के संबंध में बेहतर सौदेबाजी की शक्ति के साथ आगामी विपक्षी गठबंधन बैठक में भाग लेने की योजना बना रही थी। वह लाभ अब नहीं रहेगा। अपमानित और निराश कांग्रेस नेतृत्व सीट बंटवारे के फॉर्मूले सहित विधानसभा चुनाव के बाद की रणनीति पर चर्चा करने के लिए 6 दिसंबर को इंडिया ब्लॉक की बैठक में भाग लेगा।

बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में सहयोगियों के लिए भाजपा की चुनौती कड़ी होगी। खासकर बिहार में यह अपने चरम पर पहुंचेगा जहां भाजपा के सभी हमलों के केंद्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होंगे। भाजपा यह सोचकर कि जाति जनगणना की मांग को तीन राज्यों में मतदाताओं ने खारिज कर दिया है, आने वाले महीनों में नरेंद्र मोदी की गारंटी के आधार पर जोरदार प्रचार करेगी। जद(यू) और राजद दोनों स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं। कांग्रेस को राज्य चुनाव से पहले अपने पहले के अनुमानों के विपरीत कम संख्या में सीटों से संतोष करना पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का होगा इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला। हाल के हफ्तों में यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही थी। यह इस विश्वास का परिणाम था कि पार्टी विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी। अब, अखिलेश कांग्रेस पर अपनी शर्तें थोप सकते हैं, तथा अन्य सहयोगी निश्चित रूप से उनका समर्थन करेंगे। अखिलेश इस बात से भी चिंतित हैं कि हिंदी पट्टी में भाजपा की जीत निश्चित रूप से राज्य भाजपा को उत्साहित करेगी जो 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के कारण पहले से ही लाभप्रद स्थिति में है। संक्षेप में, हिंदी भाषी राजनीतिक परिदृश्य इंडिया गुट के लिए अनुकूल नहीं हैं।

जो पार्टियां विधानसभा चुनाव नतीजों से थोड़ी भी अछूती रहीं, उनमें तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी दल और डीएमके शामिल हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी निश्चित रूप से राज्य की राजनीति में पुनरुत्थान वाली भाजपा का सामना करेगी, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि उनका संगठन बिखरी हुई भाजपा के खिलाफ लोकसभा चुनावों के लिए अच्छी तरह से तैयार है। वह हमेशा चाहती थीं कि सीट बंटवारे पर बातचीत सितंबर में शुरू हो लेकिन कांग्रेस ने नतीजों की घोषणा तक इसमें देरी की। अब जब सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू होगी, तो टीएमसी सुप्रीमो कमजोर कांग्रेस से निपटेंगी, अगर कांग्रेस अंतत: टीएमसी के साथ गठबंधन करने का फैसला करती है।

जहां तक दो वामपंथी दलों, सीपीआई और सीपीआई (एम) का संबंध है, सीपीआई को कांग्रेस के साथ गठबंधन के परिणामस्वरूप तेलंगाना में एक सीट मिली। कांग्रेस के साथ सीपीआई (एम) की गठबंधन वार्ता टूट गई। पार्टी ने कुछ सीटों पर चुनाव लड़ा लेकिन उसे कोई सीट नहीं मिली। सीपीआई (एम) ने राजस्थान में अपनी दो सीटें खो दीं। यह पार्टी के लिए बड़ा नुकसान है क्योंकि किसान आंदोलनों के जरिए पार्टी राजस्थान में अच्छा आधार बनाने में सफल रही है। लेकिन लोकसभा चुनाव में सीपीआई (एम) के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम केरल से होगा। कुल 20 सीटों में से सीपीआई (एम) के पास अब केवल एक सीट है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को अन्य 19 सीटें मिली हैं। यह दोनों मोर्चों एलडीएफ और यूडीएफ की संबंधित ताकत के अनुपात से अधिक है। सीपीआई और सीपीआई (एम) दोनों के पास 2024 के लोकसभा चुनावों में यूडीएफ सहयोगियों से सीटें हासिल करने का अच्छा अवसर है। केरल से अधिक सीटें जीतकर ही वाम दल अपनी संख्या मौजूदा पांच से बढ़ा सकते हैं। कांग्रेस को लगता है कि कर्नाटक और तेलंगाना चुनाव के बाद दक्षिण में उसकी स्वीकार्यता बढ़ी है। पार्टी केरल में अपनी सीटें बरकरार रखने की पूरी कोशिश करेगी।

कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक में उसके सहयोगियों को लोकसभा चुनावों में राजनीतिक चुनौतियों पर समग्र रूप से विचार करना होगा। सहयोगियों को याद रखना होगा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से मुकाबला करने की स्थिति में है। कांग्रेस का कमजोर होना विपक्ष के हित में नहीं है। वहीं, कांग्रेस को यह भी देखना होगा कि संयुक्त विपक्ष की अधिकतम ताकत का इस्तेमाल भाजपा के खिलाफ लड़ाई में किया जा सके। इंडिया ब्लॉक के साझेदारों को इसे ध्यान में रखते हुए 6 दिसंबर की चर्चा में भाग लेना चाहिए। उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री उत्साहित मूड में हैं और वह 22 जनवरी को राम मंदिर उद्घाटन के तुरंत बाद राष्ट्रीय चुनावों की घोषणा कर सकते हैं। उन्हें उससे पहले सीट साझा करने की व्यवस्था और अभियान कार्यक्रमों के साथ तैयार रहना चाहिए।

पावन प्रसंग

सेवा का अवसर न जाने दें

स्वामीजी का प्रवचन समाप्त हुआ। अपने प्रवचन में उन्होंने सेवाधर्म की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला और अंत में यह निवेदन भी किया कि जो इस राह पर चलने के इच्छुक हों, वे मेरे कार्य में सहयोगी हो सकते हैं। सभा विसर्जन के समय दो व्यक्तियों ने आगे बढ़कर अपने नाम लिखाए। स्वामीजी ने दूसरे दिन आने का आदेश दिया। सभा का विसर्जन हो गया, लोग इधर-उधर बिखर गए। दूसरे दिन सड़क के किनारे खड़ी थी एक महिला, पास में रखा था घास का भारी ढेर। प्रतीक्षा थी किसी राहगीर की। आए और उठवा दे उसका बोझा। एक आदमी आया, मजदूरनी ने अनुनय विनय की, पर उसने उपेक्षा की दृष्टि से देखा और बोला- अभी मुझे समय नहीं है, मैं बहुत महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करने जा रहा हूं। इतना कहकर आगे बढ़ गया। थोड़ी सी दूर पर एक बैलगाड़ी दलदल में फंसी खड़ी थी। गाड़ीवान बैलों पर डंडे बरसा रहा था. पर बैल एक कदम भी आगे न बढ़ पा रहे थे। यदि पीछे से कोई गाड़ी के पहियों को धक्का देकर आगे बढ़ा दे तो बैल उसे खींचकर दलदल से बाहर निकाल सकते थे। गाड़ीवान ने कहा- भैया! आज तो मैं मुसीबत में फंस गया हूं थोड़ी सहायता करो मेरी।

राहगीर बोला- मैं इससे भी बड़ी सेवा करने स्वामीजी के पास जा रहा हूं, फिर बिना कीचड़ में घुसे धक्का देना भी संभव नहीं। अत: कौन खराब करे अपने कपड़े। इतना कहकर वह आगे बढ़ गया। और आगे चलने पर मिली उसे एक नेत्रहीन वृद्धा, जो अपनी लकड़ी सड़क पर खटखट कर दयनीय स्वर से कह रही थी- कोई है क्या? मुझे सड़क की बाईं ओर वाली उस झोंपड़ी तक पहुंचा दो भगवान भला करे। बड़ा एहसान होगा मुझ पर। वह व्यक्ति कुड़कुड़ाया, क्षमा करो मां। क्यों बिगाड़ती हो। तुम शायद नहीं जानतीं मैं बड़ा आदमी बनने जा रहा हूं। मुझे जल्दी पहुंचना है। उस सेवाव्रती राहगीर ने सभी अवसर ठुकरा दिए, जबकि दूसरे अगले सेवाव्रती ने उस मजदूरनी का बोझा उठाया, वृद्धा को उसकी झोपड़ी तक पहुंचाया। बैलगाड़ी को दलदल से निकालने में मदद की। इस तरह उन सबकी सहायता की और स्वामीजी के पास देर से पहुंचने का कारण बताया। स्वामीजी की परीक्षा में सेवा-सहायता करने वाला व्रती उत्तीर्ण हुआ।

सेवाभावी नेतृत्व-सेवा का नेतृत्व का अर्थ है- वह वर्चस्व जिसके सहारे परिचितों और अपरिचितों को अंकुश में रखा जा सके,अनुशासन में चलाया जा सके। आमतौर से मनुष्य अनगढ़ होते हैं। छोटे बच्चे जागने से लेकर सोने तक ऐसे ही उछल-कूद करते रहते हैं। उनकी भाग-दौड़ का न कोई प्रयोजन होता है और न लाभ। मनमर्जी चलाने में उन्हें मजा आता है। इशारे से समझाने पर मानते नहीं। उन्हें काबू में रखना, शिष्टाचार बरतने के लिए सहमत करना, पढ़ने जैसे किसी उपयोगी काम में लगाना तभी संभव होता है, जब उनके पीछे व्यवहारकुशल अध्यापक या अभिभावक लगें। यही नेतृत्व है।

आत्मानुभूति यह भी होनी चाहिए कि सबसे बड़ी पदवी इस संसार में मार्गदर्शक की है। नाविक और अध्यापक जो स्नेह, सम्मान पाते हैं, अगणितों को कृतज्ञ बनाते और पार लगाते हैं, वह साधारण नहीं, असाधारण बात है। उतना कर पाना आत्मसंतोष के लिए सबसे बड़ा आधार है। लोकश्रद्धा इसी के सहारे अर्जित होती है। संसार में जो भी महामानवों की श्रेणी में पहुंचे हैं, उन सभी को जनसमर्थन- जन सहयोग निश्चित रूप से मिला है। यह किस प्रकार सुलभ-संभव है, उसकी विद्या अनुभव- अभ्यास में उतार लेना महती सफलताओं में एक गिनी जा सकती है।

अपने दुर्गुण, कुविचारों एवं हेय कार्यों पर कड़ी नजर रखी जाए. उनका विरोध- असहयोग जारी रखा जाए तो कोई कारण नहीं कि जीवन को उच्चस्तरीय बनाने वाली सत्प्रवृत्ति अपने अभ्यास में न उतार सके। यह बहुत बड़ी बात है। नम्रता, सज्जनता, शिष्टता, उदारता, सेवा भावना के बलबूते कोई भी व्यक्ति लोकप्रिय एवं श्रद्धास्पद बन सकता है साथ ही उस समर्थन के कारण हर क्षेत्र में प्रगति के लिए अवसर मिलते रहने का सिलसिला अनायास ही चल पड़ता है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

स्त्री की बुनियादी भूमिका और अधिकारों के मूल्यांकन की आवश्यकता

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है। नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अत: नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है। इनके अधिकारों और नई भूमिका के सही मूल्यांकन महती जरूरत है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है। स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या पुत्र। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित -प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है। उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है। आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

संजीव ठाकुर

विधानसभा चुनाव के दौरान रही खासी व्यस्तता के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज भोपाल स्थित एमपी नगर स्थित एक होटल में पहुंचे। उन्होंने यहां परिवार के साथ भोजन किया। पत्नी साधना सिंह और उनके दोनों बेटे कार्तिकेय और कुणाल उनके साथ थे।

विधानसभा चुनाव निपटते ही लोकसभा की तैयारी में जुटी भाजपा

'हर बूथ पर मोदी' अभियान शुरू होगा

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा में रिकार्ड जीत दर्ज कराने के बाद भाजपा अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है । चुनाव से पहले भाजपा 'हर बूथ पर मोदी' अभियान चलाएगी। इस अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में 51 प्रतिशत मत के साथ 29 लोकसभा सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ काम करेंगे।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश के 64 हजार 523 बूथ पर मोदी अभियान चलेगा और इसकी शुरुआत कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण की योजनाएं चलाई गईं। डबल इंजन की सरकार विकास और गरीब कल्याण का काम करती आई है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने अपनी भूमिका निभाकर शानदार निर्वहन किया है। पन्ना प्रमुख से लेकर पन्ना समिति, बूथ समिति से लेकर मंडल के कार्यकर्ता और जिले से लेकर प्रांत की टीम ने मिलकर एक साथ जुड़कर काम किया है। और इस चुनाव में पार्टी के वोट प्रतिशत में काफी इजाफा हुआ। एक सैकड़ा से अधिक विधानसभा सीटों पर 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट पार्टी ने हासिल किए। इस निरंतरता को और बढ़ाया जाएगा। इस अभियान में हर बूथ पर मोदी अभियान के तहत वोट प्रतिशत बढ़ाने के साथ ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी कार्यकर्ता कार्य करेंगे।

श्री शर्मा ने कहा कि पार्टी का अगला लक्ष्य राज्य में सभी 29 लोकसभा सीटे जीतने का है। इसके लिए पार्टी प्रत्येक बूथ पर 10 प्रतिशत वोट बढ़ाने का लक्ष्य के साथ काम करेगी। इसके लिए उन बूथों को भी चिन्हित किया गया है जहां पार्टी अपेक्षाकृत कम मतों से जीती है। उन्होंने कहा कि मैंने कम अंतर से हारे प्रत्याशियों को कहा कि पार्टी उनके साथ खड़ी है।

कर्मचारियों के साथ विस के प्रमुख सचिव ने की बैठक

नवनिर्वाचित सदस्यों के स्वागत के लिए तैयार है विधानसभा

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि सोलहवीं विधानसभा के गठन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, निर्वाचन परिणाम आ चुके हैं।

विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों की ससम्मान अगवानी के लिए विधानसभा सचिवालय पूर्ण रूप से उत्साह के साथ तैयार है। श्री सिंह ने आज विधानसभा सभा में अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक में कहा कि विधानसभा सचिवालय का एक विशिष्ट स्थान है जिसकी हम सभी को अपने कार्य व्यवहार से गरिमा बनाए रखनी है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि नवनिर्वाचित सदस्यों के लिए विधानसभा भवन स्थित समिति कक्ष क्रमांक - 2 में स्वागत कक्ष 5 दिसंबर, से प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें नवनिर्वाचित सदस्यों के प्रमाण पत्रों की जांच करने के साथ ही उन्हें परिचय पत्र और अन्य सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही उन्हें विधानसभा का साहित्य और रेलवे कूपन इत्यादि प्रदान किए जाएंगे।

इसी तरह नवीन विधायकों के लिए विधायक विश्राम गृह में आवास की भी व्यवस्था रहेगी। आवास संबंधी जानकारी के लिए संपर्क सूत्र के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति भी की गई है वे मोबाइल पर पूरे समय उपलब्ध रहेंगे । प्रमुख सचिव ने संबंधित शाखाओं के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस संबंध में पूरी तैयारी के साथ मौजूद रहने के लिए कहा है।

लोकतंत्र-राजनीति में इस प्रकार के परिणाम आते रहते हैं : यादव

लखनऊ/वाराणसी, 4 दिसम्बर (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीन राज्यों में भाजपा की जीत और इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर कहा कि हम निराश नहीं हैं। लोकतंत्र में ऐसे नतीजे आते रहते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि सबका साथ और सबका विकास हो रहा है। सपा मुखिया अखिलेश यादव सोमवार को वाराणसी पहुंचे। इस दौरान मुरदहा स्थित नेशनल इक्वल पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत में राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों पर कहा कि राजनीति में इस तरह के परिणाम आते रहते हैं। हम परिणाम को स्वीकार करते हैं। लेकिन, यह नहीं भूलना चाहिए की लड़ाई अभी बहुत लंबी है। यह चुनाव परिणाम उन राज्यों के हैं, जहां के लोग अभी भाजपा के शासनकाल से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। जिन राज्यों में भाजपा का शासन है, वहां की जनता से हकीकत पूछिए तो बात समझ में आएगी। कांग्रेस से गठबंधन के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि एमपी में गठबंधन को लेकर बात नहीं बन पाई थी। मध्य प्रदेश की परिस्थितियां बिल्कुल अलग हैं। लोकसभा चुनाव में क्या स्थितियां बनेंगी, यह आने वाला वक्त ही बताएगा। ईवीएम को लेकर उठ रहे सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारे लैपटॉप अभी चल रहे हैं। मतगणना का तरीका हमें जापान और अमेरिका से सीखना चाहिए। वहां एक महीने काउंटिंग होती है। कांग्रेस के सनातन विरोध पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने कहा कि हम सब लोग सनातन धर्म को मानने वाले हैं। खास बात तो यह है कि जो लोग सनातन का विरोध कर रहे हैं, वे भूल गए हैं कि उनकी जड़ें भी सनातन धर्म से ही जुड़ी हैं।

नरोत्तम बोले - मैं फिर लौटकर आऊंगा, शांत बैठने वाला नहीं हूं

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में मिली पराजय के बाद दतिया पहुंचे गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा आज भावुक हो गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि मैं, शांत बैठने वालों में से नहीं हूं मैं फिर लौटकर आऊंगा। उन्होंने जनादेश को स्वीकार करते हुए कहा कि कहां गलती हुई है उस पर विचार करेंगे, शायद हमसे ही कोई गलती हुई है, जो हम अच्छे से आम जनता की सेवा नहीं कर पाए। डॉ. मिश्रा ने कार्यकर्ताओं को प्राणों से प्यारा बताते हुए कहा कि चिंता मत करना सरकार आपकी है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ताओं के विकास की चिंता मेरी है। उल्लेखनीय है कि दतिया विधानसभा क्षेत्र से डॉ. मिश्रा ने लगातार 3 बार जीत हासिल की थी। लेकिन इस बार उन्हें कांग्रेस के राजेन्द्र भारती से पराजय का सामना करना पड़ा है।

कांग्रेस को सहयोगियों ने आंख दिखाना शुरू किया

गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं होंगी ममता

नई दिल्ली, देशबन्धु। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली बड़ी पराजय के बाद अब इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने उसे आंख दिखाना शुरू कर दिया। पहले कांग्रेस की हार के लिए सहयोगियों ने उसे खुद जिम्मेदार बताया। अब जबकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 6 दिसम्बर को इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई गई है तो टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया है।

ममता ने कहा कि उन्हें इंडिया गठबंधन की बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं है। जबकि उनका पहले से ही सप्ताह भर का कार्यक्रम तय हैं। लिहाजा अब अगर उन्हें बुलाया भी जाता है तो वे इसमें भाग नहीं ले पाएंगी। वहीं सूत्र बता रहे हैं कि ममता कांग्रेस के रवैए से नाराज हैं। क्योंकि बैठक बुलाने से पहले उनसे कोई सलाह- मशविरा नहीं किया गया। इसके चलते वे इस बैठक में भाग लेने से इनकार करके कांग्रेस को चेताना चाहती हैं। ताकि खेत्रीय दल होने के नाते कांग्रेस ने हल्के में न ले। साथ ही वे चाहती हैं कि इंडिया गठबंधन में उन्हें संयोजक या कोई अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिले। ताकि कांग्रेस पार्टी सहयोगी दलों के साथ बराबरी के स्तर पर बात करे। मालूम हो कि पांच राज्यों के चुनाव से पहले भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस, टीएमसी, राजद,जदयू,सपा और डीएमके समेत 26 विपक्षी दलों ने एक साथ आकर इंडिया गठबंधन बनाने की घोषणा की थी। इसकी लगातार तीन बैठकें भी हुई। लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा .चुनाव में कांग्रेस ने सहयोगी दलों को कोई तवज्जो नहीं दिया। जिसके चलते उनमें गहरी नाराजगी है और अब वे इंडिया गठबंधन में कांग्रेस की अगुवाई नहीं बल्कि बराबर के स्तर पर आगे की बातचीत चाहते हैं।

कंपनी ने बीमित राशि नहीं दी, अब देना होगा 5 लाख का हर्जाना

भोपाल, देशबन्धु। कोई भी व्यक्ति खुद के साथ-साथ परिवार का स्वास्थ्य बीमा इसलिए कराता है, ताकि किसी बीमारी के इलाज में उसका लाभ मिल सके। ऐसे ही एक व्यक्ति ने परिवार का स्वास्थ्य बीमा लिया, लेकिन उनकी पत्नी के के इलाज में खर्च की गई राशि बीमा कंपनी ने देने से इंकार कर दिया। इस मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला आयोग के निर्णय को सही ठहराते हुए कंपनी पर करीब पांच लाख रुपये का हर्जाना लगाया।

दरअसल, न्यू सुभाष नगर निवासी हरीश दुबे ने द ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से 17 जनवरी 2008 से 16 जनवरी 2009 तक का बीमा कंपनी से पांच लाख रुपये की मेडिक्लेम पालिसी ली थी। इसके बाद फिर से उपभोक्ता हर साल पालिसी रिन्यू भी कराता रहा। 2008 में जब उपभोक्ता की पत्नी बीमार पड़ी तो इंदौर के अस्पताल में इलाज कराने पर करीब 19 हजार रुपये का बीमा कंपनी ने भुगतान भी किया, लेकिन दुबारा इलाज में खर्च हुई करीब पौने पांच लाख की राशि देने से इंकार कर दिया। मामला जिला आयोग पहुंचा तो उपभोक्ता के पक्ष में निर्णया सुनाया।

इस निर्णय के खिलाफ उपभोक्ता ने राज्य उपभोक्ता आयोग में अपील लगा दी। बीमा कंपनी ने आयोग को तर्क रखा कि हर साल बीमा नवीनीकरण कराने में एक माह की देरी उपभोक्ता ने कर दी थी, इसलिए बीमा पालिसी निरंतर जारी नहीं रही।

इस कारण बीमा राशि का लाभ नहीं मिलेगा। लेकिन आयोग ने बीमा कंपनी के इस तर्क को खारिज कर दिया और फटकार लगाते हुए कंपनी को इलाज में खर्च हुई चार लाख 79 हजार रुपये के साथ-साथ मानसिक क्षतिपूर्ति राशि 25 हजार रुपये देने का आदेश दिया।

भाजपा को अप्रत्याशित जीत का उपहार, कांग्रेस को नए नेतृत्व की दरकार

• नरेन्द्र कुमार मौर्य

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव परिणामों ने तमाम राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। यह एक अजूबा ही कहा जायेगा कि जिस सत्ता विरोधी भावना (एंटी इनकम्बेंसी) के चलते तीन राज्यों में सत्ताधारी दल चुनाव हार जाते हैं, वही भावना मध्यप्रदेश में 18 साल से काबिज भाजपा सरकार के प्रति तिरोहित हो जाती है। लगता है जैसे जनता ने नाराज़ होने के बजाय भाजपा सरकार की पीठ थपथपाई है। हालांकि अभी यह देखना बाकी है कि केंद्रीय नेतृत्व शिवराज सिंह की पीठ कैसे थपथपाता है। सवाल है कि ऐसा हुआ कैसे। इसके लिए दाद देनी होगी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को। तमाम आलोचनाओं और आलाकमान की उपेक्षा के बावजूद उनका उत्साह कम नहीं हुआ। वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने अभियान में जुटे रहे। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। वे खूब बोले और कांग्रेस को निशाना बनाते रहे।

भाजपा के पास कार्यकर्ताओं का काडर है। अकूत संसाधन हैं और नेताओं का बड़ा समूह भी है। यही वजह है कि शुरूआत में पिछड़ने के बाद भाजपा ने जबरदस्त वापसी की। दूसरी तरफ कांग्रेस ने जो माहौल बनाया था, वह उसे बरकरार नहीं रख पाई। कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी है संगठन का अभाव। हालांकि यह कहा जाता है कि बीते तीन-साढ़े तीन सालों में में कमलनाथ ने संगठन पर काफ़ी मेहनत की है। इसके बावजूद पार्टी के बड़े नेताओं ने माहौल बनाया। शिवराज सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उसका असर भी हुआ, लेकिन उसे वोट में तब्दील करने के लिए जैसे समर्पित कार्यकर्ता चाहिए, वे उसके पास नहीं थे। इसके अलावा टिकट वितरण के लिये जिस सर्वे का हवाला बार-बार दिया गया, उस पर अमल नहीं किया गया और जिताऊ उम्मीदवारों की उपेक्षा की गई। मसलन - सतना जिले की नागौद सीट पर यादवेन्द्र सिंह पिछली बार बहुत कम मतों से हारे थे। उन्हें टिकट नहीं दी तो वे बसपा के टिकट पर लड़े और दूसरे नंबर पर रहे। इसी तरह गोटेगांव में पहले शेखर चौधरी को टिकट दिया। फिर टिकट बदल कर निवर्तमान विधायक प्रजापति को मैदान में उतार दिया। इससे आहत शेखर चौधरी निर्दलीय मैदान में आ गए और जाहिर है वे कांग्रेस को भी ले डूबे। सतना में ही रैंगाव की निवर्तमान विधायक कल्पना वर्मा से लोग नाराज़ थे। पिछला चुनाव जीतने के बाद उन्होंने जनता से संपर्क ही नहीं रखा, लेकिन उन्हें फिर टिकट मिल गई और वे चुनाव हार गईं। ऐसे और कई उदाहरण हैं।

कांग्रेस में चुनाव की बागडोर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के हाथों में थी, लेकिन जीत को लेकर दोनों ही अति आत्मविश्वास के शिकार हो गए। दिग्विजय सिंह तो मतगणना के पहले तक 130 से अधिक सीटों का दावा करते रहे। यह मानना मुश्किल है कि उन जैसे जुझारू और अनुभवी नेता को हकीकत मालूम न रही होगी। इसी आत्मविश्वास और शायद अति उत्साह में दोनों ने अपने बेटों को आगे कर दिया। ऐसी खबरें आईं कि छिन्दवाड़ा समेत कई सीटों पर फैसला नकुल नाथ कर रहे हैं और कई सीटों पर जयवर्द्धन सिंह। इस पुत्र प्रेम का गलत संदेश गया। लोगों को लगा कि मोदी ठीक कहते हैं, इन्हें प्रदेश की नहीं, अपने बच्चों की चिंता है। बहरहाल, इस चुनाव ने साफ़ कर दिया कि कमलनाथ और दिग्विजय सिंह अपनी पारी खेल चुके हैं। समय आ गया है कि कांग्रेस हाईकमान को हिन्दी प्रदेशों में नया नेतृत्व खोजना शुरू कर दे। तेलंगाना के नतीजों ने भी साबित किया है कि कांग्रेस अभी चुकी नहीं है। उसने मोदी मैजिक के बावजूद छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी ठीक ठाक प्रदर्शन किया है।

आखिरी बात, भाजपा को उन दलों का भी शुक्रिया अदा करना चाहिए जिन्होंने उसकी जीत को अप्रत्याशित बना दिया। सपा, बसपा, आप और गोंडवाना इत्यादि की मौजूदगी ने कांग्रेस को कमज़ोर किया। इंडिया गठबंधन के तकाजे को - खासतौर से सपा के साथ, निभाया गया होता तो शायद उसकी इतनी दुर्गति नहीं होती। ये और बात है कि इस चुनाव में इन तीनों ही दलों को कोई सफलता नहीं मिली। उधर नारायण त्रिपाठी की विंध्य जनता पार्टी ने भी कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाया। यह बात दबी जुबान में कही भी गई कि बीजेपी ही %वीजेपी% है। हालांकि मैहर में त्रिपाठी खुद तीसरे नंबर पर रहे और सीधी में केदारनाथ शुक्ला भी इसी गति को प्राप्त हुए।

झाबुआ में कांग्रेस ने 2, भाजपा ने 1 सीट जीती, अलीराजपुर में 1-1 से हुई बराबरी

झाबुआ की तीनों सीटों पर 'भूरिया' जीते

धर्मेन्द्र पांचाल

झाबुआ, देशबंधु। तीन दिसबंर को प्रदेश में हुई मतगणना में आदिवासी बहुल झाबुआ-अलीराजपुर में 2018 के मुकाबले बड़ा उलटफेर नहीं हुआ। 2018 में 4 सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया था और भाजपा को महज एक सीट से संतोष करना पड़ा था। इस बार भाजपा ने अलीराजपुर और पेटलावद की सीट कांग्रेस से छीन ली, तो जोबट सीट पर कांग्रेस ने कब्जा जमा लिया। सबसे कम अंतर से थांदला सीट पर कांग्रेस के वीरसिंह भूरिया ने जीत हासिल की। वहां भाजपा प्रत्याशी कलसिंह भाबर ने पुनर्गणना के लिए आवेदन दिया, परंतु परिणाम में किसी तरह का अंतर देखने नहीं मिला। सबसे बड़ी जीत जोबट से सेना महेश पटेल की हुई। उन्होंने 38,757 वोट से जीतकर सबको चौंकाया। जबकि उनके देवर महेश पटेल अलीराजपुर से चुनाव हार गए। झाबुआ से विजयी हुए डॉ. विक्रांत भूरिया अब अपने पिता की विरासत को संभालेंगे, तो पेटलावद सीट से दिलीप सिंह भूरिया की बेटी निर्मला पांचवीं बार विधायक बन गई हैं। इस तरह झाबुआ जिले की तीनों सीट पर भूरियाओं का कब्जा हो गया है।

यह रहा परिणाम

झाबुआ- विक्रांत भूरिया (कांग्रेस) 15693 से जीते
भाजपा 87458, कांग्रेस 103151

थांदला- वीरसिंह भूरिया (कांग्रेस) 1340 वोट से जीते
भाजपा 103857, कांग्रेस 105197

पेटलावद- निर्मला भूरिया (भाजपा) 5647 वोट से जीती
भाजपा 101512, कांग्रेस 95865

अलीराजपुर- नागरसिंह चौहान (भाजपा) 3723 वोट से जीते
भाजपा 83764, कांग्रेस 80041

जोबट- सेना महेश पटेल (कांग्रेस) 38757 वोट से जीती
भाजपा 42027, कांग्रेस 80784

थांदला में दिखी कांटे की टक्कर

थांदला में कांग्रेस के वीरसिंह और भाजपा के कलसिंह में कांटे की टक्कर देखने को मिली। भाजपा जहां लाड़ली बहना के भरोसे एक लाख का आंकड़ा छू पाई, तो वहीं वीरसिंह भूरिया गांधीवादी छवि के सहारे चुनाव लड़ते नजर आए। जहां 2018 के चुनाव में 31121 वोट से वीरसिंह जीते थे, तो वहीं इस बार 1340 वोट से ही जीत नसीब हो पाई। मतगणना के दौरान किसी अंतिम 4-5 चक्रों में कभी कलसिंह आगे तो वीरसिंह आगे बढ़त बनाते हुए दिखे। अंत में परिणाम वीरसिंह भूरिया के पक्ष में ही रहा। डाक मत पत्रों का सहारा भी वीरसिंह के लिए वरदान साबित हुआ। आखिरी दौर में जहां वीरसिंह 997 वोट की बढ़त बनाए हुए थे। तो वही डाकमत पत्रों को जोड़ने के बाद 1340 वोट से वे जीत गए।

झाबुआ में 5 राउंड बाद बढ़ी विक्रांत की बढ़त

झाबुआ सीट, प्रदेश की चर्चित सीटों में शामिल थी। इस बार कांग्रेस ने कांतिलाल भूरिया की जगह उनके बेटे को चुनाव लड़वाया। श्री भूरिया के उत्तराधिकारी के चुनाव को लोग बड़ी उत्सुकता से देख रहे थे। यहां पर 5 चक्रों तक भाजपा के भानू भूरिया ने 2910 वोटों की बढ़त बनाई हुई थी। उसके बाद कांग्रेस के वर्चस्व वाले बूथों के परिणाम आना शुरू हुए। तब 9 चक्रों तक भानू की लीड खत्म हुई। 26 वें चक्र में विक्रांत ने 15294 वोट से जीत हासिल की।

पेटलावद में 18 वें राउंड से भाजपा को मिली जीत की राह

पेटलावद से भाजपा की निर्मला भूरिया ने जीत हासिल की। पहले और दूसरे चक्र में बढ़त बनाने के बाद निर्मला भूरिया की बढ़त कम होने लगी। 7वें यह 3318 वोट की हुई और कांग्रेस के वालसिंह पिछड़ गए। 10 वे चक्र तक भाजपा की लीड कम होती गई और कांग्रेस के वालसिंह ने दम दिखाया। 18वें दौर की गणना में भाजपा ने फिर अपनी बढ़त बनाई और 23वें राउंड में उसे जीत में बदल दिया।

मायावती ने चुनाव परिणामों को बताया विचित्र

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने चार राज्यों के चुनावी नतीजों को विचित्र और रहस्यमयी बताया है। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया बैठक में इसे लेकर मंथन किया जायेगा। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि चार राज्यों में अभी हाल में हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम एक पार्टी के पक्ष में एकतरफा होने से सभी लोगों का शंकित, अचंभित व चिंतित होना स्वाभाविक है। चुनाव के पूरे माहौल को देखते हुए ऐसा विचित्र परिणाम लोगों के गले के नीचे उतर पाना बहुत मुश्किल है।

डॉक्टर कफील खान पर केस दर्ज किया गया

लखनऊ। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के पूर्व डॉक्टर कफील खान और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ उनकी किताब के प्रकाशन पर मामला दर्ज किया गया है, जिसका कुछ पाठ कथित तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ है। थाना प्रभारी, कृष्णा नगर, लखनऊ, जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- प्राथमिकी कृष्णा नगर के व्यवसायी मनीष शुक्ला की शिकायत पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं और प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम के उल्लंघन के तहत दर्ज की गई है।

महिला के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। पति से अलग रह रही महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया गया है कि आरोपी ने तीन दिन पहले महिला से दुष्कर्म किया, बाद में उसने दूसरे दिन भी उसके साथ गलत काम किया। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। इस पर महिला ने थाने जाकर आरोपित के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय महिला बैरागढ़ इलाके में रहती है। वह बुटीक का संचालन करती है। कई महीनों पहले वह विकास दुधानी नाम के युवक से संपर्क में आई थी। विकास का महिला की दुकान पर भी आना-जाना था। उसका महिला के घर आना-जाना था। तीन दिन पहले बंटी महिला के घर पहुंचा तथा उसने सूनेपन का फायदा उठाकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। अगले दिन भी उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया। कल महिला ने जब शादी करने की बात कही विकास ने महिला के साथ मारपीट कर दी। इसके बाद महिला ने थाने जाकर शिकायत कर दी। पुलिस ने विकास के खिलाफ बलात्कार व मारपीट का प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

क्रमांक 2360/स.अ./ आवंटन/ सागर/2023 दिनांक 05.12.2023

भवन भूखण्ड हस्तान्तरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल कॉलोनी डॉ. हरिसिंह गौर नगर सागर में स्थित भवन क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस.-बी 174 मंडल द्वारा कु. पूनम क्षेत्री राजपूत पिता श्री जीवन सिंह राजपूत को आवंटित किया गया था। जिसका विक्रय विलेख मंडल द्वारा दिनांक 18.09.2023 को निष्पादित कराया गया। कु. पूनम क्षेत्री राजपूत पिता श्री जीवन सिह राजपूत द्वारा उक्त भवन विक्रय विलेख निष्पादित दिनांक 22.09.2023 के माध्यम से श्रीमती प्रियंका अहिरवार पति श्री मनोज वर्मा को विक्रय किया। श्रीमती प्रियंका अहिरवार पति श्री मनोज वर्मा द्वारा उक्त भवन स्वयं के नाम से नामांतरित/हस्तांतरित कराने हेतु आवेदन/ दस्तावेज/शपथ पत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किये है। यदि किसी व्यक्ति को संस्था या हित रखने वाले वैध व्यक्ति को हस्तांतरण/नामांतरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तांतरण/नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी का कोई दावा मान्य नहीं होगा।

सम्पत्ति अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

समक्ष श्रीमान् नोटरी पब्लिक अधिकारी महोदय, सागर (म.प्र.)
प्रस्तुत- श्रीमान् जिला सैनिक अधिकारी महोदय, जिला सैनिक बोर्ड, सागर (म.प्र.)

//शपथपत्र//

मैं जयराज तनय गिरधारी उम्र 62 वर्ष साकिन- चुहिया बंगला, गाँधी वार्ड पटकुई, पोस्ट बरारू पो.आ. सागर कैंट, सागर तहसील व जिला सागर (म.प्र.) शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ:-

1- यह कि, मैं नंबर- 45551748 L के तहत् (रैंक नायक) के पद पर सेना में पदस्थ था, वर्तमान में EX NK है, मैंने अभी ध्यान दिया कि मेरे उक्त सर्विस रिकार्ड में मेरी पत्नि का नाम एवं जन्मतिथि, पुत्र की जन्मतिथि एवं पुत्री का नाम एवं जन्मतिथि गलत दर्ज हो गयी है जो सही दर्ज किया जाना आवश्यक है। 2- यह कि, मेरी पत्नि का नाम व जन्मतिथि मेरे सर्विस रिकार्ड मे गलत दर्ज है, मेरी पत्नि का सही नाम Smt Usha Gosain एवं सही जन्मतिथि 01/04/1976 है जो मेरी पत्नि के जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं पेनकार्ड पर दर्ज है जिससे मेरी पत्नि का सही नाम Smt Usha Gosain व सही जन्मतिथि 01/04/1976 मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज की जावे। 3- यह कि, मेरे पुत्र का नाम मेरे सर्विस रिकार्ड में सही है परंतु मेरे पुत्र की जन्मतिथि गलत दर्ज है । मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि 10/04/1995 है जो मेरे पुत्र की कक्षा 10 वी की मार्कशीट, आधार कार्ड एवं पेनकार्ड पर दर्ज है जिससे मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि 10/04/1995 मेरे सर्विस रिकार्ड में दर्ज की जावे । 4- यह कि, मेरी पुत्री का नाम व जन्मतिथि मेरे सर्विस रिकार्ड मे गलत दर्ज है, मेरी पुत्री का सही नाम Meenakshi Gosain एवं सही जन्मतिथि 29/12/1996 है जो मेरी पुत्री की कक्षा 10 वी की मार्कशीट, आधार कार्ड एवं पेनकार्ड पर दर्ज है जिससे मेरी पुत्री का सही नाम Meenakshi Gosain एवं सही जन्मतिथि 29/12/1996 मेरे सर्विस रिकार्ड मे दर्ज की जावे। 5- यह कि, मेरे द्वारा मेरी पत्नि का जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं पेनकार्ड एवं पुत्र पुत्री की कक्षा 10 वी की मार्कशीट, आधार कार्ड एवं पेनकार्ड की छायाप्रतियों संलगन की है जो सही है जिससे मेरे सर्विस रिकार्ड नंबर- 45551748 L (रैंक नायक) वर्तमान EX NK में मेरे परिजनों के नाम व जन्मतिथि मे उक्तानुसार सुधार कर सही नाम व जन्मतिथि दर्ज की जावे । अतः शपथपत्र पेश है ।

सागर, दिनॉक-4/12/2023 //सत्यापन// शपथकर्ता- जयराज

मैं जयराज तनय गिरधारी उम्र 62 वर्ष साकिन- चुहिया बंगला, गाँधी वार्ड पटकुई, पोस्ट बरारू पो.आ. सागर कैंट, सागर तहसील व जिला सागर (म.प्र.) सत्यापित करता हूँ कि, शपथपत्र के पैरा क्रमांक 1 से 5 के कथन मेरे स्वतः के ज्ञान से सही व सच है। सत्यापनकर्ता - जयराज

सागर, दिनॉक-4/12/2023 वीरेन्द्र राजपूत (नोटरी) राहतगढ़ जिला सागर

IN THE COURT OF XXII CIVIL JUDGE CLASS-I, DISTRICT COURT, JABALPUR
Presiding Officer - विश्वेश्वरी मिश्रा
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
RCS A/0000765/2021)
Process Id-926/2023 पेशी दिनांक- 19/12/2023

नोटिस- गोविन्द्र तिवारी तनय .... **वादी विरुद्ध** अनीता तिवारी ..... **प्रतिवादी ।** प्रेषिती-1. कल्पना सैनी पति स्व. चंदुलाल तिवारी पति योगेश सैनी पता- कटरा बाजार सागर जिला सागर मध्यप्रदेश, 2.योगेश सैनी पता- कटरा बाजार सागर जिला सागर मध्यप्रदेश। यह कि प्रार्थी गोविन्द तिवारी तनय ने आपके विरूद्ध सिविल सूट ए आवेदन पत्र अंतर्गत आदेश 5 नियम 20 सीपीसी के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 27 अक्टूबर 2023 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया हैं। **(श्रीमति विश्वेश्वरी मिश्रा)**
बाईसवें सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड
मोहर **जबलपुर (म.प्र.)**

न ही प्रदर्शनी में आए दुकानदार दे रहे जीएसटी और न ही ग्राहकों को थमाए जा रहे बिल

गर्म कपड़ों की बिक्री न होने से हाथ पर हाथ धरे बैठे दुकानदार, छाई मंदी

टीकमगढ़, देशबन्धु। सरकार खरीदी पर जीएसटी लगाती है और दुकानदारों एवं ग्राहकों पर जीएसटी की मार देखी जाती है। लेकिन यहां लगी प्रदर्शनी के दौरान जीएसटी और बिल से किसी प्रकार का सरोकार नहीं है। यह प्रदर्शनी यहां के दुकानदारों एवं ग्राहकों के लिए हर बार मुशीबत बनकर आ जाती है। सूत्रों की मानें तो इस तरह की प्रदर्शनी के दौरान शासन और ग्राहकों को भले ही चूना लगाया जाता हो, लेकिन मंजूरी देने वालों से लेकर प्रदर्शनी लगाने वालों तक की इस सारे मामले में चांदी बनी रहती है। धारा 144 के दौरान अनुमती लेने में शहर के लोगों को भले ही परेशानी झेलना पड़ी हो, लेकिन प्रदर्शनी संचालकों को इस दौरान अनुमति ही नहीं मिली, बल्कि यहां भीड़ जुटाने में भी किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। प्रतिदिन हजारों लोगों में प्रदर्शनी में पहुंचकर खरीदी कर नगर के व्यापार जगत को अच्छी खासी क्षति पहुंचा डाली। कपड़ा व्यापारी से लेकर अनेक छोटे-छोटे दुकानदार नगर में प्रदर्शनी के आने से सिर धुनते नजर आने लगे हैं। इस तरह के आयोजनों पर पूर्व में भी लोगों ने आपत्ति जताई है, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों एवं आयोजकों के बीच चले आ रहे तालमेल के कारण यहां प्रदर्शनी और मेला लगते आ रहे हैं। नगर प्रशासन यहां फैल रही गंदगी और प्रदूषण से बेखबर है। कहा जा रहा है कि नगर प्रशासन को इस मामले में कोई लेना देना नहीं है, क्यों कि यह निजी भूमि पर संचालित है, अब यह नहीं कहा जा रहा है कि यह नगर में नहीं है। नगर में फैलने वाली गंदगी और सड़कों पर लगने वाले जाम से भी प्रशासन और नगर प्रशासन किनारा करता चला आ रहा है। यहां सैकड़ों वाहन गुजरने के साथ ही खड़े रहते हैं। मजे की बात तो यह है कि इस प्रदर्शनी में काम करने वालों की उम्र का भी कोई हिसाब किताब नहीं है। यहां नाबालिग बच्चों को भी कामकाज करते आसानी से देखा जा सकता है। नगर में चलने वाली प्रदर्शनी में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला एवं अन्य खेलकूंद के साधन उपलब्ध हैं, यह अलग बात है कि मनोरंजन कर बसूलने जैसी कोई बात

प्रदर्शनी में बिना जीएसटी दिए बेंचे जा रहे गर्म कपड़े, बच्चों से कराया जा रहा काम

नहीं है। प्रदर्शनी में कपड़ा की दुकानों के अलावा रेस्टोरेंट आदि लगाए गए हैं, जिन पर बाजार से मंहगे दामों पर सामग्री बेंची जा रही है। निजी जमीन पर प्रदर्शनी संचालित करने और यहां लगाए गए मेला के लिए क्या नियम कायदे हैं,इस मामले में भी सभी चुप्पी साधे नजर आ रहे हैं। देखा जाए तो यहां इस तरह के आयोजन आसपास रहने वालों के लिए जहां परेशानी का कारण बने हुए हैं, वहीं प्रशासन द्वारा चुनावी माहौल में इस तरह की प्रदर्शनी के आयोजन को हलके में लेना भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रदर्शनी के संचालन से यहां के दुकानदारों पर अच्छा खासा असर हर बार पड़ता है। दीपक नायक ने कहा कि एक ओर जहां प्रदर्शनी में अच्छी खासी भीड़ जमा रहती है, तो वहीं बाजारों में सन्नाटा पसर जाने से दुकानदारों की आर्थिक स्थिति पर असर देखा जाने लगा है। गर्म कपड़ों की खरीदी भी यहां प्रदर्शनी में जाकर लोगों द्वारा की जा रही है और यहां के दुकानदारों की पूंजी डूबती नजर आने लगी है। उन्होंने कहा कि बाजार में खरीदी न होने के कारण यहां के दुकानदारों की हालत पतली होती जा रही है। मनोज कुमार ने कहा है कि सर्दी के मौसम में बिकने वाले कपड़े न बिकने से दुकानों में नाराजगी देखी जाने लगी है। उन्होंने शहर के व्यापार पर पड़ रहे असर को गंभीरता से लेते हुए प्रर्दशनी को हटाए जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि वह प्रतिवर्ष मंहगाई की मार के दौरान बिक्री के अभाव में दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं। व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज कुमार मोदी ने आरोप लगाया कि ट्रेड फेयर की बाजह से स्थानीय छोटे बड़े दुकानदार प्रभावित हो रहे है। और वही इसका बुरा असर साथ लगते 20 गांवों के छोटे दुकानदारों के कारोबार पर भी पड़ रहा है। इस दौरान , लकी खान, ऋषि जैन, सतेंद्र माराज, दीपक नायक, शुभम जैन, असलम खान, राजेश जैन, पिंटू सोनी, सोनू बैशाखिया सहित अनेक दुकानदारों ने प्रदर्शनी के संचालन पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रशासन से इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने पर जोर दिया है।

जांच के बाद होगी कार्रवाई-एसडीएम द्विवेदी

नगर में संचालित प्रदर्शनी के बारे में जानकारी मिली है। यहां टैक्स चोरी या किसी प्रकार की अनियमितता जैसी कोई बात सामने आती है, तो निश्चित ही कार्रवाई की जाएगी। इस संबन्ध में जीएसटी अधिकारी से बात की जाएगी और लापरवाही और मनमानी करने वालों पर निश्चित ही शिकंजा कसा जाएगा। यह बात यहां चर्चा के दौरान एसडीएम संजय द्विवेदी ने कही। प्रदर्शनी में बाल मजदूरों से कार्य करना गलत है। यदि ऐसा पाया जाएगा, तो उचित कार्रवाई की जाएगी।

31 अक्टूबर को हुआ था प्रदर्शन

नगर में 31 अक्टूबर 2021 को प्रदर्शनी के विरोध में विरोध प्रदर्शन किया गया था। इस दौरान युवा नेता राहुल तिवारी, शुभम होंडा, रिषी सिंघई, बाबी व्यास, आकाश खरे सहित अनेक व्यापारियों ने प्रदर्शनी के आयोजन और स्थानीय व्यापारियों को होने वाले नुकसान पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रशासन से रोक लगाने की मांग की थी। लेकिन इस तरह के आयोजन कर व्यापारियों को नुकसान पहुंचाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कहा तो यहां तक जा रहा है कि इस तरह के आयोजन अनेक लोगों के लिए मलाईदार साबित होने से किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाती है।

कलेक्टर ने टीएल की बैठक में दिये निर्देश

सीएम हेल्पलाइन का सभी अधिकारी सन्तुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर अवधेश शर्मा की अध्यक्षता तथा एसपी श्री रोहित काशवानी की उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने सर्वप्रथम लंबित सीएम हेल्पलाईन, उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरण, टीएल पत्र तथा राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की तथा आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन का सभी अधिकारी सन्तुष्टिपूर्वक निराकरण करायें और हितग्राहियों को नियमानुसार लाभन्वित करायें। साथ ही टीएल में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करायें। उन्होंने निर्देशित किया कि उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये सभी विभागों के लिये एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाये और उनका प्रशिक्षण करवायें तथा सुनिश्चित करें कि कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं हो और ना ही कंटेम्प्ट लगे। उन्होंने कहा कि सभी तहसीलदार आधार नामांकन के प्रकरणों के लिये 18 वर्ष से अधिक आयु के लिये जांच उपरांत अग्रेषित करें। खाद्यान्न वितरण पीओएस मशीन से हो इसकी जांच करायें और सत्यापन शीघ्र करायें। खुले बोरबेल की जांच करवायें और बोरवेल कर्ता अपना रजिस्ट्रेशन करायें और नई बोरबेल की सूचना शासन को दें तथा सख्ती से पुराने बोरवेल केप करायें। उन्होंने शासन द्वारा राजसात वाहनों की नीलामी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों में नवीन अवैध कॉलोनियों के गठन को कठोरता से रोका जाये, इस हेतु तुरंत कमेटी गठित करें। आयुष्मान कार्ड हेतु मेले निरन्तर लगाए जायें और हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि सीएम मोनिट पर लंबित शिकायतों का तत्काल निराकरण करायें। साथ ही शासन द्वारा अनुमति प्राप्त कर विकासात्मक नवीन निर्माण कार्यों को तुरंत प्रारम्भ करें। स्ट्रीट वेंडर योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, सभी सीएमओ विशेष ध्यान दें और हितग्राहियों को लाभन्वित करायें। इसके साथ ही बैंक भी प्रथम और द्वितीय क़िस्त हितग्राहियों को समय पर प्रदाय करें। आंगनवाड़ी और शालाओ में एमडीएम में सूची अनुसार खाद्यान्न वितरण हो और फ ील्ड का अमला लगातार निरीक्षण करे। उन्होंने निर्देशित किया कि शिक्षा विभाग ध्यान दें कि शिक्षक समय पर विद्यालय पहुँचे, अटेंडेंस सही आये लगातार निरीक्षण करायें और सभी अधिकारी विद्यालय में क्लास भी लें। विद्यालयों में विशेष रूप से छात्रों की उपस्थिति को बढ़ायें। जिले में नवीन पहल ग्रामीण जनसुनवाई प्रारंभ की जायें, सभी अधिकारी जनसुनवाई की कार्यवाही पंचायत स्तर पर आयोजित करायें और लोगों की समस्याओं का निराकरण उनके ग्रामों में ही करायें। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नवीन कुमार धुर्वे, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, जतारा एसडीएम लोकेन्द्र सिंह सरल, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती दीपाश्री गुप्ता, एसडीएम टीकमगढ़ संजय दुबे, डिप्टी कलेक्टर एसके तोमर, एसई एमपीईबी आरके त्रिपाठी, ईई पीएचई जितेन्द्र मिश्रा, पीडब्ल्यूडी आईके शुक्ला, आरईएस श्रीमती नम्रता पंद्रे, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ले. कर्नल राजेश कुमार सिंह (से.नि.), सीएमएचओ डॉ. एसआर रोशन, उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास अशोक कुमार शर्मा, उप संचालक सामाजिक न्याय आरके पस्तोर, पीओ डूडा सुश्री शिवि उपाध्याय, लोकसेवा प्रबंधक अमन गोयल सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गोदाम पर लगातार बढ़ रही भीड़, किसान परेशान

पलेरा में खाद का संकट, इंतजार के बाद भी किसानों को नहीं मिल रहा डीएपी, यूरिया

पलेरा, देशबन्धु। स्थानीय नगर क्षेत्र में खाद का संकट बना हुआ है। किसान सोसाइटियों पर खाद लेने पहुंचते हैं, तो उनको खाली हाथ लौटना पड़ जाता है। कहीं खाद नहीं होने की बात कह दी जाती है, तो कहीं शाम तक इंतजार करने के लिए कह दिया जाता है। खाद के लिए आए दिन किसानों को लंबा इंतजार करके मायूस घर लौटना कर रहा है। जबकि समूचे जिले में खाद की उपलब्धता है, इसके बाद भी खाद के लिए किसान परेशान हैं। अब किसानों को डीएपी और यूरिया दोनों ही खाद की जरूरत है। किसानों के बीच खाद की कमी के कारण फसल बेकार हो रहीं हैं। आरोप है कि पलेरा नगर में गोदाम से इन दिनों किसानों से डीएपी और यूरिया खाद की बिक्री में जमकर लूटखसोट की जा रही। यह पूरा खेल गोदाम प्रभारियों के अधीनस्थ कर्मचारियों की मिलीभगत से किसानों को महंगे दामों में डीएपी और यूरिया खाद बेचा जा रहा है। इसके अलावा स्थानीय नगर की कई दुकानों पर भी अवैध रूप से महंगे दामों पर किसानों को व्यापारियों द्वारा खुलेआम लूटा जा रहा है। आपको बता दें कि इन दिनों रबी का सीजन चल रहा है और किसान इन दिनों अपनी खेतों में बोवनी करने में जुटा है। जिसके लिए उसे खाद बीज की सख्त जरूरत है। जिसको लेकर किसान सुबह होते ही विपणन संघ की गोदाम के चक्कर लगाने शुरू कर देता है। ऐसे में नगर क्षेत्र के किसानों ने जिला कलेक्टर अवधेश कुमार शर्मा से इस पूरे मामले में कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

लक्ष्य से अधिक धनराशि संग्रहण पर टीकमगढ़ जिले को मिला सम्मान

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने कलेक्टर को सौंपी ट्रॉफी एवं प्रशंसा पत्र

टीकमगढ़, देशबन्धु। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर टीकमगढ़ जिले को लक्ष्य से अधिक धन राशि संग्रहण करने पर राज्यपाल ने कलेक्टर अवधेश शर्मा (आई.ए.एस.) को प्रशंसा पत्र एवं ट्रॉफी से सम्मानित किया। कलेक्टर श्री शर्मा की अनुपस्थिति में राज्यपाल द्वारा दिया गया प्रशंसा पत्र एवं ट्रॉफी जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने प्राप्त किया। इसी के तहत आज ले. कर्नल राजेश कुमार सिंह (से. नि) जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने ट्रॉफी एवं प्रशंसा पत्र कलेक्टर अवधेश शर्मा (आई.ए.एस.) को सौंपी। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस सम्मान समारोह का आयोजन राजभवन परिसर भोपाल में राज्यपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ था, जिसमें उन्होंने टीकमगढ जिले के कलेक्टर एवं आम जनता के इस सराहनीय योगदान के लिये आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ नवीन कुमार धुर्वे, अपर कलेक्टर पीएस चौहान, जतारा एसडीएम लोकेन्द्र सिंह सरल, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती दीपाश्री गुप्ता, एसडीएम टीकमगढ़ संजय दुबे, डिप्टी कलेक्टर एसके तोमर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरितला सरकार मंदिर प्रांगण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन

पलेरा, देशबन्धु। स्थानीय नगर के प्रसिद्ध हरितला सरकार मंदिर प्रांगण में मंगलवार के दिन सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील खटीक ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ भगवान के चरणों में माथा टेका। इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर सुंदरकांड पाठ में भाग लिया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश पटेरिया, आरपी नायक, गोवर्धन चौबे, गोपाल नायक, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, इंद्रेश पाठक, पार्षद रामकिशोर कुशवाहा समेत अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार प्रसार हेतु

रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

टीकमगढ़, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 09 दिसंबर 2023 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु आज 05 दिसम्बर 2023 को हितेन्द्र सिंह सिसौदिया प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ द्वारा प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान श्री सिसौदिया ने कहा कि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर, लोक अदालत का सफल बनाये। लोक अदालत में राजीनामा करने से ना किसी की हार होती है ना ही किसी की जीत होती। आपसी वैमनुष्यता खत्म होकर भाईचारा बना जाता है। उक्त प्रचार रथ के द्वारा न्यायिक क्षेत्र टीकमगढ़ के अंतर्गत शहर के प्रमुख स्थानों एवं ग्रामों में नेशनल लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय सुभाष सोलंकी, विशेष न्यायाधीश श्रीमती गीता सोलंकी, जिला एवं अतिरिक्त न्यायाधीश मनोज कुमार, एनके गुप्ता, अनिल करौरिया, प्रणयदीप ठाकुर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार पाटीदार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अतिरिक्त न्यायिक मजिस्टेट अमन सिंह भूरिया,न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित निगम, अरविन्द सिंह, प्रदीप सोनी, संगम सिंह, बृजेन्द्र सिह भदौरिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी टीकमगढ़ एवं एल.डी.सी.एस. के पदाधिकारीगण उपस्थित रहें ।

श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान के आयोजन ने सफलता के उच्च शिखर को छुआ

सिद्धों की आराधना भावी सिद्धों के द्वारा ही संभव-विमर्श सागर

टीकमगढ़, देशबन्धु। *सिद्धों की आराधना भावी सिद्धों के द्वारा ही संभव है । जिनकी आत्मा में सिद्ध दशा प्रकट करने की सामर्थ्य नहीं है। वह कभी सिद्धों की आराधना नहीं कर सकता । जैन शास्त्रों में कहा गया है कि जो जीव भव्य होते हैं, वे ही सिद्ध दशा को स्वयं की आत्मा में प्रगट करने के लिये परमात्मा की भक्ति करते हैं। जो जीव अभव्य होते हैं, वे धर्म कार्य कदाचित् करते भी है, तो वे परमात्मा बनने की भावना से रहित होते हैं। वे पुण्य धर्म के कार्य भी सांसारिक भोग भोगने के निमित्त से ही किया करते हैं । ऐसा मांगलिक सदुपदेश भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर ने श्री सिद्ध चक्र महामण्डल विधान के समापन अवसर पर दिया। पूज्य आचार्य ने सकल दिगम्बर जैन समाज को मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुये कहा- मैं जब से यहां आया हूं, तब से सुन रहा हूं कि यह सिद्ध आराधना, पंच कल्याणक प्रतिष्ठा से कम नहीं है । संपूर्ण नगर में निरंतर धर्म की पावन गंगा प्रवाहित हो रही है । समाज बंधुओं ने इस आराधना में जो जो भी शुभ मंगल भावनाएं भाई हैं, वे सब शीघ्र ही पूर्ण हों। यही मंगल शुभाशीष आज मैं सभी को प्रदान करता हूं।*

अतिशय भावना पूर्वक सम्पन्न हुई, सिद्धचक्र महामण्डल

विधान की आराधना 29 नवम्बर से प्रारंभ हुई श्री 1008 सिद्ध चक्र महामण्डल विधान की आराधना आज 05 दिसंबर मंगलवार को सफलतापूर्वक सानन्द सम्पन्न हुई । आयोजन की पूर्णता दिवस पर प्रात:काल अभिषेक-शांतिधारा उपरान्त हवन-पुण्याहवाचन की क्रिया सम्पन्न हुई। तदुपरांत श्री जिनेन्द्र देव को पालकी में विराजमान करके विशाल शोभायात्रा मुख्य मार्गों से गमन करते हुये, पुन: नया जैन मंदिर परिसर में पहुंची जिनालय की प्रबंधकारिणी समिति ने सम्पूर्ण पुण्यार्जक परिवार का भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुये सम्मान पत्र प्रदान कर स्वागत सम्मान किया।

अतिशय क्षेत्र तिजारा जी की ओर बड़े भावलिंगी संत के पावन चरण

जन्म भूमि जतारा चातुर्मास के पश्चात् आचार्य संघ ने तीर्थयात्रा हेतु अपने चरण अतिशय जैन तीर्थ क्षेत्र तिजारा की ओर बढ़ाए । आज 05 दिसम्बर को आचार्य श्री के चरण सिद्धक्षेत्र सोनागिर की ओर बढ़ गए । इस दौरान बढ़ी संख्या में लोगों ने रास्ते में महाराज श्री के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया।

चिकित्सकों ने बताई फूड प्वाजनिंग की समस्या

स्कूल में मध्यान्ह भोजन से 40 बच्चे बीमार

पन्ना, देशबन्धु। द्वारी माध्यमिक शाला विक्रमपुर में सोमवार दोपहर अचानक उस समय अफरा-तफरी का महौल बन गया, जब एक के बाद एक स्कूल के कई बच्चों को सिर दर्द व सिर मचलने की समस्या होने लगी। बच्चों को यह समस्या मध्याह्न भोजन के बाद शुरू हुई थी। चिकित्सकों ने फूड प्वाजनिंग की समस्या बताई है। शिक्षकों ने सभी बच्चों को आमनगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां से तीन बच्चों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। स्कूल प्रबंधन ने घटना की जानकारी खाद्य विभाग के अधिकारियों को दी थी। जिसके बाद खाद्य विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों ने स्कूल पहुंचकर भोजन के सेम्पल लेकर जांच के लिए सुरक्षित किए। बच्चों को मध्याह्न भोजन के तौर पर रोटी व सब्जी दी गई। 30 से 40 बच्चों ने ही खाना खाया होगा, तभी हेड मास्टर को लगा की रोटियों से अजीब सी दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद उन्होंने बच्चों को भोजन न करने के लिए कहा। करीब एक घंटे बाद जिन बच्चों ने भोजन कर लिया था, उनमें एक दर्जन से अधिक बच्चों की हालत खराब होने लगी। हेड मास्टर आलोक खरे को जानकारी लगी तो कुछ बच्चों को अपनी कार से लेकर अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। डायल.100 व एम्बूलेंस.108 की मदद से अन्य बच्चे भी अस्पताल पहुंचाए गए। तीन बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है जिनका इलाज

पन्ना जिला चिकित्सालय में चल रहा है।

यह बच्चे बीमार हुए: स्कूल में फूड प्वाजनिंग के शिकार बच्चों में अंचल सोनी, राजकुमारी पॉल, मोहनी पॉल कक्षा 7, संदीप पॉल, प्रतीक्षा दहायत, आरती आदिवासी, अनुसुइया आदिवासी, सरोज आदिवासी, दिलीप पॉल, मोहनी पॉल कक्षा 6 सुनील वंशकार, नैतिक दहायत, खुशीराम पॉल, कंचन अहिरवार व गोकुल अहिरवार शामिल हैं। इनमें से तीन बच्चों आरती आदिवासी, सरोज आदिवासी व मोहनी पॉल को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हेड मास्टर ऑलोक खरे ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी घटनाक्रम से अवगत करा दिया है।

जिला पंचायत सीईओ ने जांच समिति का किया गठन

पन्ना, देशबन्धु। माध्यमिक शाला विक्रमपुर संकुल द्वारी गुनौर में गत 4 दिसम्बर को लगभग 4 बजे एमडीएम भोजन खाकर बच्चों के बीमार होने की जानकारी हेड मास्टर द्वारा जिला पंचायत सीईओ को दी गई। विस्तृत जांच के लिए जिला पंचायत सीईओ द्वारा जांच समिति का गठन किया गया है। समिति में जनपद पंचायत सीईओ गुनौर, बीआरसी गुनौर और टास्क मैनेजर एमडीएम सदस्य हैं। मध्यान्ह भोजन समूह के अध्यक्ष एवं सचिव को नोटिस दिया गया है। साथ ही मॉनिटरिंग में लापरवाही पर सीएसी को भी नोटिस जारी किया गया है। जिला पंचायत सीईओ और सीएमएचओ द्वारा निगरानी की जा रही है।

हत्या के आरोपियों को न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

दमोह देशबन्धु। मामले के पैरवीकर्ता अभियोजन अधिकारी कैलाश चंद पटेल द्वारा बताया गया कि, अभियोजन मामला दिनाँक 18/05/2021 को पी सी आर दमोह द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि आशा बाई पति केसू राठौर जबलपुर बालाजी अस्पताल में भर्ती है,जो सूचना प्राप्त होने पर सउनि एल कन्नौजिया द्वारा बालाजी अस्पताल जबलपुर पहुँचकर प्रार्थिया आशा बाई राठोर पति केसू राठौर उम्र 40 साल निवासी रोड ने बताया कि मेरी शादी केसू राठौर निवासी ग्राम रोड़ के साथ 20 वर्ष पहले हुई थी, दिनांक 18/05/21 को मेरे पति से घर के काम को लेकर झगडा हुआ था, झगड़े के समय मेरे जेठ सुदामा, जेठानी हर्रा, जेठ का लड़का भरतू भी आ गया, जो वे लोग भी हमसे झगड़ने लगे उसी समय मेरे पति मेरा दाहिना हाथ पकड़कर मुझे पीछे वाले कमरे के अंदर ले गये और वही रखी मिट्टी के तेल की कुप्पी में भरा तेल मेरे ऊपर डाल दिया, मेरी जेठानी हर्रा, जेठ सुदामा ने मेरे दोनों हाथ पकड़े और जान से मारने की नीयत से भरतू ने माचिस की तीली जलाकर मेरे ऊपर फैला दिया जो जलने से मेरे पीठ, पेट, पैर, सिर जल गया घटना मेरी लड़की नेहा तथा मोहल्ले के लोगों ने देखी है, लड़की नेहा ने भाई राजेश व सोनू राठौर को खबर दी, जो भाई आ गये और बालाजी अस्पताल जबलपुर अपनी गाड़ी से ईलाज को ले आये जो प्रार्थिया रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।। मृतिका द्वारा अपने मरणासन्न कथनो में उक्त घटना की पुष्टि की थी,जो तहसीलदार द्वारा लेख किये गये थे। दिनाक 22/05/21 को प्रार्थिया की मृत्यु सर्वोदय अस्पताल जबलपुर में ईलाज के दौरान हो गई। संपूर्ण विवेचना उपरांत प्रकरण के विवेचक उपनिरीक्षक विकाश सिंह चौहान द्वारा अभियोग पत्र माननीय न्यायालय पेश किया गया। न्यायालय में अधिकांश साक्षीगण द्वारा घटना का समर्थन नहीं किया गया किन्तु मृतिका के मृत्युकालीन कथन एवं न्यायालय में आई साक्ष्य और अभियोजन द्वारा प्रस्तुत तर्कों के आधार पर आरोपीगण केसू राठौर पिता धनसींग लोधी (मृतिका का पति), सुदामा साहू पिता धनसींग साहू (मृतिका का जेठ), हर्राबाई उर्फसुहागरानी साहू (मृतिका का जेठानी), भरतू उर्फ भरत साहू (मृतिका का भतीजा) निवासी- ग्राम रौंड, नोहटा जिला दमोह (म0प्र0) को धारा 302/34 भादवि में आजीवन-आजीवन कारावास व कुल 1000-1000 रूपये के अर्थदंड से दंडित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी प्रभारी जिला लोक अभियोजन अधिकारी श्री कैलाश चंद पटैल के द्वारा की गई ।

जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड मिलेगा

पन्ना, देशबन्धु। मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिए सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड.2023 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड.2023 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को यह पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक टेलीविजन मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक रेडियो मीडिया और ऑनलाइन इंटरनेट सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे।वर्ष 2023 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। प्रस्ताव ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों ही प्रकार से भेजे जा सकते हैं। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे।

राम का विवाह सम्पन्नता का प्रतीक हैं: वैष्णवी

दमोह देशबन्धु। मागंज वार्ड नं पांच में चल रही संगीतमय श्री राम कथा राम राजा दशरथ के घर पैदा हुए थे और सीता राजा जनक की पुत्री थी। मान्यता है कि सीता का जन्म धरती से हुआ था। राजा जनक हल चला रहे थे उस समय उन्हें एक नन्ही सी बच्ची मिली थी जिसका नाम उन्होंने सीता रखा था। सीता जी को जनकनंदिनी के नाम से भी पुकारा जाता है। एक बार सीता ने शिव जी का धनुष उठा लिया था जिसे परशुराम के अतिरिक्त और कोई नहीं उठा पाता था। राजा जनक ने यह निर्णय लिया कि जो भी शिव का धनुष उठा पाएगा सीता का विवाह उसी से होगा। सीता के स्वयंवर के लिए घोषणाएं कर दी गई। स्वयंवर में भगवान राम और लक्ष्मण ने भी प्रतिभाग किया। वहां पर कई और राजकुमार भी आए हुए थे पर कोई भी शिव जी के धनुष को नहीं उठा सका। राजा जनक हताश हो गए और उन्होंने कहा कि क्या कोई भी मेरी पुत्री के योग्य नहीं है? तब महर्षि वशिष्ठ ने भगवान राम को शिव

जी के धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाने को कहा। गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए भगवान राम शिव जी के धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाने लगे और धनुष टूट गया। इस प्रकार सीता जी का विवाह राम से हुआ। भारतीय समाज में राम और सीता को आदर्श दंपत्ति (पति पत्नी) का उदाहरण समझा जाता है। राम सीता का जीवन प्रेम, आदर्श, समर्पण और मूल्यों को प्रदर्शित करता है। भगवान श्री राम का विवाह उत्सव मनाया गया। जैसे ही किशोरी वैष्णवी गर्ग जी ने प्रभु राम के विवाह का प्रसंग सुनाया चारो तरफ आओ सखियों मिल गाओ बधाई राम की बारात जनकपुर आई, आओ सखी गावो बधाई राम का विवाह आओ रे.., से कथा प्रांगण गूंजने लगा। इस दौरान प्रज्ञा भारती ने सिया रघुवर जी के संग परन लागी भंवरिया, झुक जाइयो तनिक रघुवीर सिया मेरी कहती है, .. जैसे राम विवाह के भजनों का भी गुणगान किया । श्री राम कथा में मुख्य श्रोता एवं वार्ड वासी पार्षद अभिषेक तिवारी, कृष्णा तिवारी ,आदि रहे।

सीएसपी ने मानवता दिखाते हुए घायल पड़े बाइक सवार युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया

दमोह देशबन्धु। शहर के जबलपुर नाका स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय और निवास के बीच मंगलवार शाम सड़क दुर्घटना में घायल हालत में पड़े एक युवक को देख वहां से गुजर रहे नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) अभिषेक तिवारी ने मानवता का परिचय दिखाते हुए घायल देवेंद्र पिता अशोक विश्वकर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी बिलाई को शासकीय वाहन से जिला अस्पताल दमोह में भर्ती कराया, जिसका इलाज जारी है. बताया गया है कि घायल अपनी दीदी के यहां बाइक से जा रहा था, तभी किसी वाहन की टक्कर लगने पर बाइक सवार घायल हालत में पड़ा था, जहां वहां से गुजर रहे सीएसपी ने बिना देर कर तत्काल शासकीय वाहन से इलाज के लिए दमोह जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

महिला स्व.सहायता समूह को उपार्जन कार्य सौंपने के लिए भेजा जाएगा प्रस्ताव

पन्ना, देशबन्धु। खरीफविपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज के उपार्जन कार्य में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला स्वसहायता समूह और ग्राम संगठकों को भी उपार्जन संबंधी कार्य सौंपने का निर्णय लिया गया है। इच्छुक पात्र महिला स्वसहायता समूह निर्धारित शर्त और दस्तावेजों की पूर्ति उपरांत एनआरएलएम के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत की अनुशंसा के साथ कलेक्टर कार्यालय पन्ना की खाद्य शाखा में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला उपार्जन समिति द्वारा परीक्षण उपरांत पात्र महिला स्वसहायता समूहों को उपार्जन कार्य दिए जाने के लिए खाद्य संचालनालय प्रस्ताव भेजा जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र खोबरिया ने बताया कि महिला स्वसहायता समूह को एनआरएलम के तहत एक अप्रैल 2023 की स्थिति में पंजीकृत होना चाहिए। समूह संगठक के खाते में न्यूनतम दो लाख रूपए जमा राशि होने के साथ ही विगत एक वर्ष में नियमित रूप से बैठकों का आयोजन किया गया हो तथा समूह में समस्त सदस्य और पदाधिकारी महिलाएं होना चाहिए। इसके अलावा विगत वर्षों में उपार्जन कार्य में कोई अनियमितता न की गई हो साथ ही पूर्व खरीदी मौसम का किसी किसान को भुगतान शेष नहीं होना चाहिए। धान और मोटा अनाज उपार्जन के लिए शासन द्वारा जारी नीति में सहकारी समितियों के लिए निर्धारित पात्रता के मापदण्ड महिला स्वसहायता समूहों पर भी लागू होंगे।

बतौर प्रतिभूति राशि 10 लाख रूपए जमा कराना जरूरी: किसानों द्वारा विक्रय उपज का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए समूह के अध्यक्ष-सचिव द्वारा जिला प्रबंधक मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन जिला पन्ना के नाम से बतौर प्रतिभूति राशि 10 लाख रूपए बैंक गारण्टी, सालवेंसी, डीडी, पोस्ट डेटेड चेक अथवा अध्यक्ष सचिव के नाम से विक्रय योग्य स्थाई संपत्ति के दस्तावेज जमा कराना होंगे। खरीदी केन्द्र की महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर को सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए अथवा कम्प्यूटर डिप्लोमा डिग्रीधारी होना चाहिए। समूह को प्रस्तावित उपार्जन स्थल का नक्शा, स्वामित्व का प्रमाण किरायानामा प्रस्तुत करना होगा।

समूह को हानि की प्रतिपूर्ति नहीं होगी: उपार्जन कार्य में संलग्न होने वाली महिला स्वसहायता समूह को हानि की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी। साथ ही उपार्जन कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता या हानि होने के कारण किसानों के भुगतान लंबित रहने पर समूह या ग्राम संगठक द्वारा जमा की गई प्रतिभूति राशि, कर्मचारियों, अध्यक्ष, सचिव, संचालन मंडल के सदस्यों से वसूल कर किसानों को भुगतान किया जाएगा। समूह को उपार्जन कार्य आवंटित होने पर हाईस्पीड इंटरनेट कनेक्शन, विद्युत जनरेटर, कम्प्यूटर, प्रिंटर, डोंगल, लैपटॉप, टेबल, कुर्सी, पेयजल, शौचालय, पंखा, तिरपाल, कवर, अग्निशमन यंत्र, चटाई, न्यूनतम चार बड़े इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, बायोमेट्रिक डिवाइस, केन्द्र प्रभारी के डिजीटल हस्ताक्षर इत्यादि की सभी व्यवस्थाएं स्वयं के व्यय पर खरीदी स्थल पर सुनिश्चित करना होगा।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, आए 16 आवेदन

पन्ना, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही कलेक्टर हरजिंदर सिंह के द्वारा जनसमस्याओं के निराकरण के लिए जनसुनवाई प्रारंभ की गई। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने आम लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्परता से निराकरण के निर्देश दिए। विदित हो कि राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 16 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर रोहित वर्मा भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत इच्छुक व्यक्तियों से आवेदन 31 दिसम्बर तक आमंत्रित

दमोह देशबन्धु। मतस्य पालन से जुड़े कृषकों अथवा मत्यस्यिकी से जुड़ने हेतु इच्छुक व्यक्तियों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 से भारत सरकार के मत्यस्यिकी विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की कार्ययोजना प्रेषित किये जाने के उद्देश्य से सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने उक्त योजना में सम्मिलित गतिविधियों से लाभ लेने हेतु इच्छुक व्यक्तियों से 31 दिसम्बर 2023 तक आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवेदनों की नियमानुसार जांच उपरांत कलेक्टर जिला दमोह की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय संचालन समिति के प्रशासनिक अनुमोदन के पश्चात् ही इसे अंतिम रूप दिया जायेगा। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने कहा है नियमानुसार सामान्य /पिछड़ा वर्ग के कृषकों को योजना लागत का 40 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति / महिला वर्ग को 60 प्रतिशत अनुदान प्रदाय करने के प्रावधान है। उक्त योजना का मुख्य ध्येय मछली उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता, तकनीकी, आधारभूत संरचना एवं प्रबंधन के अंतर को कम करना, मूल्य श्रंखला का आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण, मजबूत मत्स्य पालन-प्रबंधन ढांचा की स्थापना एवं मछुआरों का कल्याण, जिससे मछुआरों एवं मत्स्य कृषकों की आय दोगुनी होगी और इस प्रकार यह सामाजिक, भौतिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने में सहायक होगा।

उन्होंने बताया इस योजना के अंतर्गत कार्यक्रम की सूची अनुसार नवीन तालाब का निर्माण (0.1 हेक्टेयर से 2.00 हेक्टेयर तक), मत्स्य बीज उत्पादन हेतु नए मत्स्य हैचरी की स्थापना, नवीन मत्स्य बीज संवर्धन हेतु रियरिंग पोखर/तालाब का निर्माण, मिश्रित मत्स्य पालन, पंगेशियस, तिलापिया मछली पालन हेतु इनपुट्स की व्यवस्था, जलाशय में मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन, रंगीन मछली के ब्रीडिंग एवं रियरिंग के लिए इकाई की स्थापना, आर.ए.एस. की स्थापना/ बायोफ्लाक्स की स्थापना, जलाशयों में केज कल्चर की स्थापना कर मत्स्य पालन, मछली बाजार का निर्माण इत्यादि शामिल हैं।

पोषण पुनर्वास केन्द्र में मोहिनी को मिला पुनर्जीवन

जिला कलेक्टर की पहल पर एनआरसी में की गई है बेहतर उपचार व देखभाल की व्यवस्था

पन्ना, देशबन्धु। पोषण पुनर्वास केंद्र पन्ना के कर्मचारियों की सक्रियता से मनकी कटारिया गांव निवासी कुपोषित आदिवासी बच्ची मोहिनी को नया जीवन मिला है। बच्ची के पिता गोरेलाल आदिवासी एवं मां रेखा आदिवासी अपनी तीन वर्ष की बीमार बच्ची को लेकर जिला अस्पताल इलाज कराने पहुंचे थे। यहां चिकित्सकों द्वारा आवश्यक जांच के बाद मोहिनी को बच्चा वार्ड में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान बच्ची के गंभीर बीमार होने के कारण चिकित्सकों द्वारा रेफर करने की तैयारी के बारे में जानकारी लगने पर पोषण पुनर्वास केंद्र के कर्मचारियों द्वारा बच्ची के परिवार से संपर्क किया गया और विगत 9 सितंबर को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कर लिया गया। भर्ती के दौरान बच्ची मोहिनी का वजन निरंतर घट रहा था। मोहनी को

22 दिन पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती रखा गया। उसे इलाज और हेल्दी डाइट दी गई, जिससे मोहिनी की कुपोषण की बीमारी में सुधार हुआ और वजन भी बढ़ने लगा। पोषण प्रशिक्षक रश्मि त्रिपाठी ने जानकारी दी कि बच्ची मोहनी को जब पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती किया गया तब उसकी स्थिति गंभीर थी। डॉक्टर भी स्वास्थ्य के प्रति चिंतित थे। बच्ची को एनआरसी से गत 2 अक्टूबर को डिस्चार्ज किया गया। उस समय मोहिनी का वजन 4 किलो 400 ग्राम के करीब था। इसके अलावा प्रतिदिन वजन में बढ़ोत्तरी भी हो रही थी। डिस्चार्ज होने के बाद बच्ची का अब तक चार बार फॉलोअप किया जा चुका है। मोहिनी पूरी तरह स्वस्थ है और वजन भी बढ़कर 5 किलो 700 ग्राम हो गया है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन के नेतृत्व में पन्ना जिले में कुपोषण का कलंक मिटाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर हरजिंदर सिंह की पहल पर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कर बेहतर उपचार और देखभाल की व्यवस्था की गई है। गरीब लोगों तक इसका सीधा लाभ पहुंचाने के लिए जिला कलेक्टर द्वारा प्राथमिकता के साथ निरंतर एनआरसी का भ्रमण कर सुविधाओं का जायजा लिया जा रहा है। साथ ही व्यवस्थाओं को और माकूल व सक्रिय बनाने की दिशा में भी कारगर कदम उठाए गए हैं। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारियों को जमीनी स्तर पर घर-घर संपर्क के जरिए कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भर्ती कराने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

श्री गुलाब बाबा मंदिर के 16 वें वार्षिक उत्सव के अंतिम दिवस

महाप्रसादी में हजारों भक्तों ने ग्रहण की, रात्रि में हुई श्री धीरज बावरा वृन्दावन की भजन संध्या

सागर, देशबन्धु। बुंदेलखण्ड में मंगलवार को श्री गुलाब बाबा मंदिर भजन एवं भंडारे के लिए जाना जाता है और ब्रह्मलीन गुलाब बाबा स्वयं भजन एवं भंडारे के लिए प्रेरित करते थे। ज्ञात हो कि गुलाब बाबा मंदिर का इस वर्ष 16 वां वार्षिक उत्सव 28 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक मनाया जा रहा है गत रात्रि में अरूणमणी त्रिपाठी जूनियर लख्खा की भजन संध्या ने अर्द्धरात्रि तक भक्तों को अपनी भक्तिमयी प्रस्तुतियों से बांधा रखा था। व्यवस्थापन प्रमुख जयंत परासरे एवं किरण परासरे ने बताया कि सोमवार 5 दिसम्बर की रात्रि 8.30 बजे तक चले विशाल महाप्रसादी भंडारा में सुबह से ही भक्तों की भीड़ रात्रि तक अनवरत बनी रही, हजारों की संख्या ने पूर्ण सम्मान एवं पूर्ण व्यवस्था के साथ प्रसादी ग्रहण की। इतने विशाल एवं पारम्परिक भंडारा निर्माण के लिए महाराष्ट्र के भंडारा-मॉलेगांव से लगभग 30 रसोइये पारम्परिक ईधन भट्टी पर रोटी, चावल, सब्जी एवं मीठा का निर्माण पूर्ण शुद्धता एवं सुरक्षा के साथ करते रहे एवं लगभग 100 सागर-दमोह-महाराष्ट्र के भक्तों की टीम परोसने का कार्य करती रही। पूर्ण सुरक्षा-व्यवस्था-पार्किंग हेतु 10 युवा भक्त स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ कार्य कर रहे थे। सागर के बाहर से आने वाले भक्तों की व्यवस्था हेतु मुख्य कार्यालय के पास पूछताछ कार्यालय 24 घंटे चालू रख भक्तों की सभी व्यवस्थायें करता रहा। मंदिर अध्यक्ष भरत आनंद वाखले एवं सचिव श्याम सोनी ने बताया कि मंदिरों के आसपास फूलों की सजावट, रंगीन एवं अत्याधुनिक लाइटें वृन्दावन के प्रेम मंदिर की अनुभूति दिला रही थी। अत्याधिक भीड़ के कारण मंदिर परिसर के सभी सीसीटीवी कैमरों को बाहर एक बहुत बड़ी स्क्रीन पर जोड़ा गया था, जहां पूरे परिसर स्थलों को सामान्य जन देख कर अभिभूत हो रहे थे। परिसर के अंदर पूरे समय चाय का नि:शुल्क इंतजाम होने से भक्तों-दर्शकों ने दिनभर गुनगुनी धूप के साथ चाय-की चुस्कियां का आनंद लेकर एक अलग ही पारिवारिक माहौल निर्मित किया हुआ था। मंदिर के व्यवस्थापन सदस्य गोलू प्रमेन्द्र रिछारिया ने बताया कि उत्सव के समापन के दोपहर 12 बजे से बुन्देली भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें 32 टीमों ने हिस्सा लेकर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं दो सात्वना पुरूस्कार प्राप्त किये मंदिर ट्रस्ट की तरफ से सभी मंडलियों का शाल श्रीफल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। निर्णनायक मंडल में हरगोविन्द विश्व, शिवरतन यादव, जयंत विश्वकर्मा थे एवं संचालन राजीव रत्न गोलान्दाज ने किया। समापन अवसर पर विशाल भव्य भजन संध्या में वृन्दावन से पधारे विनोद अग्रवाल के साथी धीरज बावरा मेरो प्राण धन राधा रानी फेम के साथ झांकियों पर नृत्य प्रस्तुतियों से इस आयोजन में सभी को थिरकाया। रात्रि 11.32 तक चले इस आयोजन के पश्चात श्री गुलाब बाबा चरण पादुका पालिकी को भक्त अपने कंधे पर श्री गुलाब शक्तिपीठ से गुलाब बाबा मंदिर के गर्भगृह में लेकर आये जहां मंदिर ट्रस्ट की ज्योति अलमेड़ा ताईजी ने आरती कर भक्तों की ओर से आराधना की। समापन अवसर पर सभी भक्तों ने ढोल तासे पर नृत्य कर आतिशबाजी का आनंद लिया। संपूर्ण आयोजन में श्री गुलाब बाबा मंदिर के व्यवस्थापन हेतु विभिन्न टीमों ने कार्यकर वार्षिक उत्सव के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया एवं जिला पुलिस, नगर निगम सागर, नगर प्रशासन सागर, समस्त पत्रकार बंधुओं एवं वार्ड वासियों का सहयोग रहा।

बीएमसी के जेल वार्ड में कैदी ने लगाई फांसी

पेट दर्द होने के कारण कराया था भर्ती, बाथरूम में फंदे पर झूला

सागर, देशबन्धु। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के जेल वार्ड में इलाज के लिए भर्ती कैदी ने मंगलवार को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वार्ड की बाथरूम में कैदी फंदे पर झूलता मिला। सूचना पर पुलिस और जेल के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार ओमप्रकाश पुत्र वीरेंद्र अहिरवार उम्र 21 साल निवासी मुहली को बहेरिया थाना क्षेत्र के पाक्सो एक्ट के मामले में गिरफ्तार कर 29 नवंबर को जेल भेजा गया था। सोमवार को सेंट्रल जेल में अचानक ओमप्रकाश की तबीयत बिगड़ गई। उसका पेट दर्द होने लगा। सूचना पर जेल प्रबंधन ने तत्काल कैदी ओमप्रकाश को बीएमसी के जेल वार्ड में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा था। मंगलवार दोपहर मृतक के परिवार के लोग मिलने के लिए पहुंचे। उनके जाने के बाद ओमप्रकाश शौच के लिए जाने का बोलकर वार्ड में स्थित बाथरूम में गया। जहां बेड शीट से फाड़कर बनाई रस्सी से फंदा लगा लिया। कैद काफी समय तक बाहर नहीं आया तो सुरक्षा में तैनात जेल प्रहरी ने बाथरूम में जाकर देखा तो ओमप्रकाश फंदे पर झूल रहा था।

जेल प्रहरी ने तत्काल जेल प्रबंधन और पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा बनाया है। वहीं मामले में मर्ग कायम कर पुलिस जांच कर रही है। अब तक आत्महत्या का कारण सामने नहीं आ सका है।

राजस्व विभाग के समस्त कार्यों को शीघ्रता से निराकरण कराएं: अपर कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण एवं राजस्व विभाग के समस्त कार्यों को भी शीघ्रता से निराकरण करें। उक्त निर्देश अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से समस्त राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए। इस अवसर पर समस्त एसडीएम, समस्त तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर दीपक आर्य के निर्देश पर अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही राजस्व विभाग सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की एवं निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का शीघता से निराकरण करने की प्रक्रिया प्रारंभ करें। उन्होंने निर्देशित किया कि राजस्व विभाग से संबंधित पीएम किसान, सीएम किसान सत्यापन, 11 वी कृषि संगणना का कार्य, लंबित भूमि बंधक, राजस्व वसूली, दसवीं कृषि संगणना का मानदेय भुगतान सहित अन्य विषयों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि उपरोक्त सभी कार्यों को प्राथमिकता से करें एवं सोमवार को आयोजित होने वाली समय सीमा बैठक में प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने निर्देशित किया कि समय सीमा बैठक में कलेक्टर दीपक आर्य द्वारा सभी उपरोक्त विषयों की समीक्षा की जाएगी एवं प्रमुख रूप से सीएम हेल्पलाइन की निराकरण की विषयवार समीक्षा होगी।

नगर निगम स्वामित्व की दुकानों का किराया जमा होना प्रारंभ

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देश अनुसार वित्तीय वर्ष समाप्ति को देखते हुए नगर निगम स्वामित्व की दुकानों की बकाया किराये की राशि जमा कराने हेतु नगर निगम कार्यालय परिसर स्थित काउंटर पर व्यवस्था की गई है। सहायक आयुक्त आनंद मंगल गुरु ने बताया कि नगर निगम स्वामित्व की दुकानों के किराए की राशि जमा होना प्रारंभ में हो गई है तथा उनके बिल भी जारी किए जा चुके हैं। इसके साथ ही जिन दुकानों का अनुबंध समाप्त हो चुका है उनके नवीनीकरण हेतु पंजीकरण कराने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। अत: सभी दुकानदार अपने-अपने बकाया किराये की राशि जमा कराकर असुविधा से बचें तथा जिन दुकानदारों के अनुबंध समाप्त हो चुके हैं वे बाजार शाखा में उपस्थित होकर आवश्यक कार्यवाही कर अपना अनुबंध पंजीकृत करा लें।

त्रि-दिवसीय वेदिका प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न

विधायक ने कार्यक्रम शामिल होकर लिया धर्मलाभ

सागर, देशबन्धु। श्री महावीर दिगंबर जैन, मंदिर शास्त्री वार्ड में आयोजित त्रि-दिवसीय वेदिका प्रतिष्ठा महामहोत्सव का मंगलवार को संपन्न हुआ। आयोजन मुनिश्री अजितसागर ससंघ के मंगल सानिध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य ब्र. संजय भैया मुरैना विशेष निर्देशन में आयोजित किया। आयोजन के समापन दिवस पर विधायक शैलेंद्र जैन, अनु श्री जैन के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए विधायक एवं अनुश्री जैन ने मुनि संघ एवं आर्यिका संघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उपस्थित धर्मावलाबियों ने श्री जैन को चौथी बार जीत की बधाई दी जिनका अभिवादन स्वीकारते हुए विधायक शैलेंद्र जैन एवं अनुश्री जैन ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष कुमार जैन, मंत्री राजकुमार जैन, दिनेश जैन, अंकित जैन सहित बड़ी संख्या में गुरु भक्त उपस्थित रहें।

जन सुनवाई में सुनी गई समस्याएं, 15 आवेदनों पर हुई कार्यवाही

सागर, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचार संहिता समाप्त होते ही कलेक्टर दीपक आर्य के द्वारा जन समस्याओं को निराकरण के लिए जनसुनवाई प्रारंभ की गई। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में सिटी मजिस्ट्रेट शैलेंद्र सिंह ने आम लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्परता से निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई मे जिले के 15 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

छात्रों को तंबाकू उत्पादों का उपयोग न करने का संकल्प दिलाया

सागर, देशबन्धु। स्थानीय सिगरेट बीड़ी एवं तंबाकू उत्पादों का उपयोग युवा महिलाओं पुरुषों और बच्चों के साथ उनके परिवार की सदस्यों के लिए हानिकारक है इस दुष्प्रवृत्ति से कई जन अकाल ही मृत्यु को प्राप्त हो रहे हैं। इस दुष्प्रवृत्ति को बढ़ावा ना मिले यह दुष्प्रवृत्ति सभी की पहुंच से दूर रहे इस हेतु सीआर मॉडल बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान में हस्ताक्षर किए। तथा छात्रों को तंबाकू उत्पादन का प्रयोग न करने का संकल्प भी दिलाया गया। इस अभियान की संयोजिका साधना यादव एवं उनके सहयोगी ने बताया कि यह अभियान जिले की समस्त स्कूलों में चलाया जा रहा है जिसमें कक्षा 12वीं के छात्र एवं कॉलेज के छात्रों को इस हस्ताक्षर अभियान में सम्मिलित किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य यही है कि तंबाकू उत्पादों पर सरकार अधिक टैक्स बढ़ा दे ताकि हमारे आने वाली पीढ़ी इस नुकसान से बच सके। इस संकल्प अभियान में प्राचार्य एस के रोहण, एसएम औदिच्य, डॉ. अरुण कुमार सोनी, यूके नागार्च, एनपी सकवार, आरके सेन, रविंद्र तिवारी, योगेश धोषी, अमित श्रीवास, खेमचंद अहिरवार, माधव नामदेव, ऐसी जैन, शत्रुघ्न ठाकुर, दीपक पटेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

दुष्यंत कुमार स्मृति गुलदस्ता का आयोजन 31 को

सागर, देशबन्धु। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था स्वर संगम हिंदी गजलों के पुरोधा स्व. दुष्यंत कुमार एवं गजल गायक स्व. जगजीत सिंह की पुण्यतिथि पर 31 दिसंबर रविवार को आदर्श संगीत महाविद्यालय में गजलों का सालाना कार्यक्रम गुलदस्ता आयोजित करने जा रही है। इस कार्यक्रम में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कलाकार गजलों की महफिल को सजाएंगे। संस्था के अध्यक्ष हरीसिंह ठाकुर एवं सचिव डॉ. विनोद तिवारी ने सभी साहित्य संगीत संस्कृति प्रेमियों एवं सुधि जनों से आग्रह किया है कि उक्त कार्यक्रम में आकर महफिल का आनंद लेवें तथा कार्यक्रम सफल बनावें। कार्यक्रम की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

रिश्तेदारी में गया युवक लापता

सागर, देशबन्धु। महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगा सिलैया निवासी युवक करेली से लापता हो गया। परिवार वालों ने युवक की काफी तलाश की। लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। मामले में परिवार वालों ने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार प्रकाश पुत्र मुंशी ठाकुर उम्र 18 साल निवासी डोंगा सलैया 26 नवंबर को रिश्तेदारी में ग्राम खैरूवा गया था। रिश्तेदार के घर से वह राहुल ठाकुर के साथ बाइक से करेली निजी काम से गए थे। इसी दौरान रास्ते में बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया। जिस पर राहुल बाइक को पैदल लेकर जा रहा था तभी प्रकाश पान दुकान पर गुटखा लेने रुक गया और राहुल से बोला कि तुम पेट्रोल डलवा लाओ। राहुल बाइक लेकर पेट्रोल पंप पर चला गया। पेट्रोल डलवाकर वह वापस लौटकर पान दुकान के पास पहुंचा। लेकिन वहां प्रकाश नहीं मिला, आसपास तलाश किया। उसके घर डोंगासिलैया फोन लगाकर जानकारी ली। लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला। परेशान होने के बाद परिवार वालों ने थाने पहुंचकर शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने लापता प्रकाश की तलाश शुरू की है। आसपास के पुलिस थानों और रेल पुलिस को मामले की सूचना दी गई है।

ईशा शर्मा को मिला बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड

सागर में मुर्गी पंखों के जैव अपघटन पर रिसर्च के लिए किया गया पुरस्कृत

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की शोध छात्रा ईशा शर्मा को एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजी ऑफ इंडिया एएमआई ने उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें बुन्देलखंड विश्वविद्यालय झांसी में 1 से 3 दिसंबर के दौरान आयोजित एएमआई की 64वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में दिया गया। उन्होंने संगोष्ठी में बैक्टीरिया द्वारा मुर्गी के पंखों के अपघटन और उनसे उपयोगी पदार्थ बनाने पर रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए थे। ईशा पोल्ट्री फेदर्स के जैविक अपघटन पर पिछले पांच वर्षों से कार्य कर रही हैं। डीएसटी इंस्पायर फेलो भी हैं। वो अपना शोध कार्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. नवीन कानगो के निर्देशन में कर रहीं हैं। इस पुरस्कार के साथ उन्हें स्प्रिंगर नेचर इंडिया द्वारा 200 यूरो राशि का गिफ्ट वाउचर भी दिया गया है।

पराजित भाजपा प्रत्याशी महेश राय ने लगाये भाजपा जिला अध्यक्ष पर आरोप

बीना, देशबन्धु। जिले में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने के बावजूद बीना विधानसभा से हार का मुंह देखना पड़ा है। परिणाम सामने आने के 2 दिन बाद मंगलवार को चुनाव हारे पूर्व विधायक महेश राय मीडिया के सामने आए और अपनी हार के कारण गिनाये। जिसमें उन्होंने भाजपा के जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया और उनकी टीम पर हार का ठीकरा फोड़ा हैं और संगठन में नियुक्त किए गए पदाधिकारियों को भी अपनी हार का जिम्मेदार ठहराया है। पूर्व विधायक महेश राय ने जिलाध्यक्ष पर अपना कद बढ़ाने के लिए यह पूरा षड्यंत्र रचने की बात कही है। इसके अलावा भी उन्होंने कई और गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा का गढ मानी जाने वाली बीना विधानसभा में इस बार कमल नहीं खिल पाया है। जिसका जिम्मेदार भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया को ठहराया। भाजपा के पूर्व विधायक और पराजित प्रत्याशी महेश राय ने जिसकी शिकायत पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष से कर कार्यवाही की मांग की है। जिलाध्यक्ष की टीम सहित मंडल अध्यक्ष पर भी पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप लगाए। महेश राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया की वजह से उनके क्षेत्र में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभाएं नहीं होने दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सभा बीना में होना थी। लेकिन यह सभा मंडी बामोरा में करवा दी। उन्होंने कहा जिलाध्यक्ष दिन भर वह दूसरी विधानसभा में काम करते रहे। रात में 8 बजे आकार अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश देते थे। उनके परिवारों में जाते रहे और मुझे हराने का काम किया है। योजनाबद्ध तरीके से मेरा राजनीतिक वध किया गया है। संगठन में हुई नियुक्तियों पर भी उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि मैंने कई बार पार्टी के फॉर्म में शिकायतें की। जो नियुक्तियां हुई उनका विरोध किया। उन्होंने गौरव सिरोठिया और उनके समर्थकों पर कार्रवाई करने की मांग भी की है। चुनाव के दौरान भी उन्होंने अपनी शिकायत पार्टी मुख्यालय में की थी। इसके अलावा भाजपा प्रत्याशी महेश राय ने क्षेत्र की जनता से मिले वोट के लिए मतदाताओं का आभार जताया है। उन्होंने कहा जब तक वह 10 साल तक विधायक रहे, उन्होंने जुआ, सट्टा बंद करवा दिया है। विधानसभा क्षेत्र में गुंडागर्दी नहीं हो सकी अभी भी वह जनता के लिए काम करेंगे। क्षेत्र की जनता ने जो निर्णय लिया है वह उसका सम्मान करेंगे। बीना विधानसभा के भाजपा चुनाव प्रभारी मनोज शर्मा ने कहा कि पूर्व विधायक की प्रेस कॉन्फ्रेंस की जानकारी मिली है। जो आरोप लगाए गए हैं वह सभी निराधार हैं। इसकी शिकायत पार्टी फोरम में करेंगे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** * प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन-** MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।